04 - सीजेआई के यहां पूजा में शामिल होने के मायने

05 - स्थगन की संस्कृति समाप्त होना चाहिए

A Daily News Magazine

इंदौर

सोमवार, 30 सितम्बर , 2024

06 - स्कूलों-आंगनबाड़ी में एक साथ लगेगी स्वच्छता की पाठशाला

07- डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की ऑफिशियल विजिट में धार रखें...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 332, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

पहली बात

अभयारण्य : तितलियों सी ही मासूम हैं हमारी बेटियां भी...?

उमेश त्रिवेदी

संपादक

9893032101

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनावों की सियासी तल्खियों के बीच मासूम तितलियों की बातें भले ही जहन को तौलने और तलने वाली महसूस नहीं हों, लेकिन प्रतीकात्मक और प्रासंगिक जरूर हैं। ये प्रतीक और प्रसंग निश्चित ही चौंकाने और उद्वेलित करने वाले हैं। तितलियों की बातें इसलिए जहन में उभरी की कि हरियाणा और जम्मू-काश्मीर के चुनाव में आरोप-प्रत्यारोपों की लपटों के बीच ये खबर सुकून देने वाली महसूस होती है कि पूर्वी मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में तितलियों का सर्वेक्षण किया जा रहा है। बहरहाल, तितलियों के मासूम प्रतीक बलात ही हमारा ध्यान अपनी बहन-बेटियों की ओर खींचते हैं, यौन-अपराधों में लिप्त स्याह समाज में जिनका स्वतंत्र विचरना मुश्किल होता जा रहा है।

वैसे सत्ता के सिंहासन की तलाश में होने वाले इन चुनाव में वैसे भी तितली का महत्व नगर पालिकाओं और पंचायत जैसे छोटे-मोटे चुनाव में आवंटित होने वाले चुनाव चिन्ह तक ही सीमित है। बिहार का चुनाव आयोग अक्सर अपने जिला पंचायत और नगर पालिकाओं के चुनावों में तितली चुनाव चिन्ह बांटा करता है। लेकिन तितली की मासूम और रंगीन कहानी जीवन में कई-कई प्रतीकों का आव्हान करती प्रतीत होती है।

समाज में प्रतीकों की अपनी महत्ता और फिलॉसफी है। चुनाव के दरम्यान राजनीतिक दलों के बीच नीतियों और उपलब्धियों के वाक् युद्ध में प्रतीकों का बहुतायत उपयोग होता है। कोई भी पार्टी अपनी उपलब्धियों का रेखांकन करती है, तो देश और समाज को खुशहाल बनाने का वादा करती है। खुशहाली के मायने वो सुविधाएं हैं, जो जीवन-स्तर को सुधारती हैं। ताजा और लोकप्रिय प्रतीक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वह आव्हान है, जिसमे उन्होंने 'अच्छे दिन आएंगे' का वादा किया है। नारे के ये मायने कतई नहीं है कि आने वाले दिनों में मौसम खुशमिजाज होगा, हवाओं में ठंडक होगी और बादलों की छांह में जिंदगी के मजे लिए जा सकेंगे। 'अच्छे दिन' इस बात का प्रतीक है कि रोजमर्रा की जिंदगी का चलन आसान होगा, पेट्रोल सस्ता मिलेगा, गैस-कनेक्शन की उपलब्धि आसान होगी, बिजली संकट नहीं होगा, ट्रेनें समय पर चलेगीं, सिटी स्मार्ट होंगी, मेट्रो ट्रेनों की कतार होगी, याने वह सब कुछ होगा, जो जीवन की खुशहाली के लिए जरूरी है। इसी प्रकार राहुल गांधी का किसानों की ऋण-मुक्ति का वादा खेत, किसान और खलिहान की तासीर बदलने का प्रतीकात्मक आव्हान है। वैसे राजनीति से जुड़े इन प्रतीकों की सच्चाई की कहानी का कथानक भ्रामक और भौंथरा ही रहता आया है।

खुशहाली के राजनीतिक प्रतीकों से इतर जब हम बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में तितलियों के अभयारण्य के लिए होने वाले सर्वेक्षण से मुखातिब होते हैं, तो रंगों के कई इंद्रधनुष खिल उठते हैं। बांधवगढ़ अभयारण्य मे 135 से ज्यादा बाघ हैं। बाघों की संख्या के मामले में बांधवगढ़ कॉर्बेट टाइगर रिजर्व और नागरहोल टाइगर रिजर्व के बाद चौथे क्रम पर है। सर्वेक्षण के बाद बांधवगढ़ में तितलियों की सौ से ज्यादा दुर्लभ प्रजातियों की पहचान की गई है। तद्नुसार उनके मेजबान पौधों के संरक्षण की योजना बनाई जाएगी।

वैसे मध्य प्रदेश में कई स्थानों पर तितलियों का अभयारण्य बनाने के लिए सर्वेक्षण होते रहे हैं। भोपाल के नजदीक रातापानी के सर्वेक्षण में रंगबिरंगी तितलियों की 56 से ज्यादा प्रजातियां मिली हैं। इनके अलावा देवास, बैतूल और पेंच टाइगर रिजर्व में भी तितलिओं को संरक्षित करने के लिए सर्वेक्षण हो चुका है। दुनिया भर में तितलियों की 18 हजार से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं। भारत में हिमालय से लेकर थार के रेगिस्तान और घास के मैदानों वाले विविध स्थानों पर 1500 किस्म की तितलियों ने अपना डेरा जमा रखा है।

तितलियां सार्वभौमिक रूप से सबको आनंदित करने वाला प्राणी है। यह एकमात्र ऐसा जीव है, जो किसी को भी नुकसान नहीं पहुंचाता है। बहुरंगी पंखों के साथ पौधे से दूसरे पौधे तक हवा में तैरती तितली सबको खुश करती रहती है। सुंदरता और शालीनता का जीवंत अक्स, छोटी-सी रंग-बिरंगी तितली का इंसानी जिंदगी में अपना स्थान है। कदाचित ही कोई व्यक्ति इन तितलियों पर रीझा नहीं होगा ?

तितलियों को मानव जीवन की कई प्रवृत्ति और प्रकृति के प्रतिबिंब के रूप में देखा जाता है। ये क्षण भंगुरता की परिचायक भी है। इनके जीवन का समय-चक्र एक सप्ताह से लेकर एक महीने का होता है। इस बीच इनकी अनवरत उडान पर्यावरण में निरन्तर रंग घोलती रहती है। ईसाई धर्म में तितलियां पुनरूत्थान का प्रतीक हैं। ईसाई उनकी जिंदगी की इबारत जीवन, मृत्यु और पुनरूत्थान के रूप मे लिखते हैं। हवाओं में तितलियों का प्रवास धीरज और आशा की उम्मीदे बिखेरता प्रतीक होता है। उनके अस्तित्व की क्षण भंगुरता सुंदरता में तिरोहित होती है।

तितलियों का संसार बहुत ही मासूम और मुकम्मिल होता है। कई देशों में तितलियों को प्रेम और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। चीनी संस्कृति में उड़ती तितलियों को अमर प्रेम का प्रतिरूप माना जाता है। चीनी कला में इनका चित्रण दीर्घायु और सुखद वैवाहिक जीवन के प्रतिनिधि के रूप में होता है।

रंगीन तितलियों की मासूमियत, खूबसूरती और नजाकत हमें अपनी बहन-बेटियों के नूर से रूबरू कराती हैं। तितलियों के लिए अभयारण्य की तलाश आश्वस्त करती है कि तितलियों का भविष्य सुरक्षित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे, लेकिन क्या हम एक अभयारण्य हम अपनी बहन-बेटियों के लिए नहीं गढ़ सकते...? बलात्कार भारत में महिलाओं के खिलाफ चौथा सबसे आम अपराध है। राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो की 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक देश में 31 हजार 677 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए थे। देश में हर दिन और हर घंटे एक बलात्कार की घटना होती है। निर्भया कांड में सरकार की फजीहत के बावजूद पिछले दस सालों में भारत में बलात्कार की संख्या में 31 प्रतिशत इजाफा हुआ है। देश के 16 सांसद और विधायकों पर रेप के मामले दर्ज हैं। 151 पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले लंबित हैं।एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के 54 सासंद-विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले कायम हुए है। कांग्रेस में ऐसे सांसदों-विधायकों की संख्या 23 है। उसके बाद तेलुगू देशम के 17 सासंद-विधायक अपराधियों की कतार में खड़े हैं। मान्यता यह है कि तितलियों का लगातार दिखना तरक्की एवं जिंदगी में खुशहाली का संदेश होता है। लेकिन बलात्कारों की गहराती भयावहता के बीच क्या हमारी बेटियां और बहने निर्भीकता से समाज में विचरण कर सकती हैं? सवाल यह है कि देश की बहन-बेटियों के लिए अभयारण्य कैसे और कब बन पाएगा ? जैसे तितलियों का लगातार दिखना तरक्की एवं जिंदगी की खुशहाली का संदेश है, वैसे ही बहन-बेटियों की निर्भीक मुस्कराहट और खिलखिलाहट के बिना देश की कथित खुशहाली बेमानी है।

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

मैहर में खड़े डंपर में बस घुसी 9 की मौत, 24 घायल

मृतकों में 7 उत्तर प्रदेश, एक महाराष्ट्र निवासी

सतना (नप्र)। मध्यप्रदेश के मैहर में शनिवार देर रात यात्री बस सड़क किनारे खड़े हाइवा डंपर से टकरा गई। हादसे में 2 साल के बच्चे समेत 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 24 घायल हो गए। मृतकों में 7 उत्तर प्रदेश जबकि एक-एक महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के हैं।

हादसा शनिवार रात करीब 10.30 बजे नादन देहात थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे नंबर 30 पर हुआ। बताया जा रहा है कि आभा ट्रैवल्स की स्लीपर कोच बस प्रयागराज से रीवा होते हुए नागपुर जा रही थी। बस काफी रफ्तार में थी। इसी दौरान चौरसिया ढाबा के पास सड़क किनारे खड़े बड़े डंपर यानी हाइवा से जा टकराई। 53 सीटर बस में 45 यात्री सवार थे।

सूचना मिलते ही नादन और मैहर पुलिस के साथ ही एसडीएम विकास सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल और एसपी सुधीर कुमार अग्रवाल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू शुरू किया। घायलों में से 9 को अमरपाटन, 7 को मैहर सिविल हॉस्पिटल जबकि 8 को सतना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जेसीबी की मदद और गैस कटर से बस काटकर निकाले यात्री- टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस पूरी तरह पिचक गई। कई यात्री बस में ही फंस गए। रेस्क्यू में जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। गैस कटर से बस का दरवाजा काटकर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। रात करीब 2 बजे रेस्क्यू पूरा हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मैहर में हुई दुर्घटना पर किया शोक व्यक्त

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मैहर जिले में हुई सड़क दुर्घटना में यात्रियों की असमय मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यात्रियों के असमय काल कवलित होने का समाचार अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। इस भीषण सड़क हादसे में 9 यात्रियों की मृत्यु की पुष्टि हुई है, जबकि एक अत्यंत गंभीर हालत में है। अधिकतर यात्री उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र के हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगतों की पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि दु:ख की इस घड़ी में राज्य सरकार शोकाकुल परिवारों के साथ है। घायलों के समुचित इलाज के लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया है। मृतकों के परिजन को शासन की ओर से नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। उल्लेखनीय है कि मैहर जिले में ट्रक और उत्तर प्रदेश की यात्री बस के बीच भीषण टक्कर होने से यह हादसा हुआ।

हमें देश में डॉक्टर-इंजीनियर चाहिए, कोई मुल्ला नहीं

सोनीपत (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच रविवार को सोनीपत पहुंचे असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा- कांग्रेस ने देश के कोने-कोने में छोटे-मोटे बाबर पाल रखे हैं। हमें ऐसा करना है, जैसा अयोध्या में बाबर राज खत्म हुआ, राम राज शुरू हुआ। इस देश में अभी भी छोटे-मोटे बाबर घूम रहे हैं, सबको धक्का दे देकर हमें इस देश से निकालना है। उन्होंने कहा- राहुल गांधी हमारे असम में आए थे। मुझको पूछ रहे थे कि आपने 600 मदरसा बंद कर दिया, आगे आपका क्या इरादा है। मैंने राहुल गांधी को बोला, अभी तो 600 बंद किया है, आगे जाकर सबको बंद कर दूंगा। यही हमारा इरादा है और कुछ इरादा नहीं है। हमें देश में मदरसा शिक्षा नहीं चाहिए, हमें डॉक्टर और इंजीनियर चाहिए, मुल्ला नहीं। असम सीएम ने यह बयान सोनीपत से भाजपा उम्मीदवार निखिल मदान की के लिए वोट मांगते हुए जनसभा के दौरान दिया। सरमा ने यहां मीडिया से भी बात की। इस दौरान हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने के पूर्व सीएम हुड्डा के दावे पर असम सीएम ने कहा,हुड्डा जी का एड्रेस थोड़ा गलत हो गया है।

सुप्रभात

कई भुजाएँ यदि होतीं तो
कवि की धजा निराली होती
एक हाथ में पंजा होता
एक में हँसिया-बाली होती
एक हाथ में झाड़ू होती
एक हाथ में पुहुप कमल
एक हाथ में हाला होती
एक हाथ में गंगाजल
एक भुजा पर रोष प्रदर्शन
की पट्टी काली होती
पुण्य प्रसाद ग्रहण करने को
एक भुजा ख़ाली होती
किंतु कुटिल कुदरत ने कवि को
केवल दो ही बाँहें दी हैं
दो ही बाँहों में भरने को
कितनी-कितनी आहें दी हैं।

- अरूण आदित्य

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में

जल-संरक्षण के लिए प्रदेश के महिला स्व-सहायता समूहों की पहल को सराहा

- डिंडोरी जिले के शारदा आजीविका तथा छतरपुर जिले के हरि बगिया स्व-सहायता समूह का किया उल्लेख
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवास से सुनी प्रधानमंत्री की 'मन की बात'

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रदेश के डिंडोरी और छतरपुर जिलों में महिलाओं द्वारा जल-संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश में सामूहिकता की भावना से हो रहे कार्यों के अंतर्गत जल-संरक्षण के लिए जारी प्रयासों एवं नवाचारों में डिंडोरी जिले के ग्राम रयपुर के शारदा आजीविका स्व-सहायता समूह और छतरपुर जिले के गांव खोंप में हरि बगिया स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए तालाब तथा उससे भूजल स्तर में आये सुधार के सकारात्मक परिणामों का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। उन्होंने कहा कि डिंडोरी और छतरपुर में महिलाओं द्वारा जल-संरक्षण के लिए जारी प्रयास सराहनीय और प्रशंसनीय हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि देश और प्रदेश के लोग अपने आसपास हो रहे ऐसे प्रयासों से अवश्य जुड़ेंगे।

मछली पालन और फिश पार्लर से बढ़ाई आय- प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि मुझे मध्यप्रदेश के दो बड़े ही प्रेरणादाई प्रयासों की जानकारी मिली है। डिंडोरी जिले के रयपुरा गांव में एक बड़े तालाब के निर्माण से भू-जल स्तर काफी बढ़ गया है, इसका फायदा गांव की महिलाओं को मिला है। यहां के शारदा आजीविका स्व-सहायता समूह व इससे जुड़ी महिलाओं को मछली पालन का नया व्यवसाय भी मिला।

तालाब से निकली गाद (मिट्टी) से बनाया बंजर जमीन को उपजाऊ

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि मध्यप्रदेश के छतरपुर में भी महिलाओं का प्रयास बहुत सराहनीय है। यहां के खोंप गांव का बड़ा तालाब जब सूखने लगा, तो महिलाओं ने इसे पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाया। हरि बगिया स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने तालाब से बड़ी मात्रा में गाद (मिट्टी) निकाली। तालाब से जो गाद (मिट्टी) निकली, उसका उपयोग उन्होंने बंजर जमीन पर फूड फॉरेस्ट तैयार करने के लिए किया। इन महिलाओं की मेहनत से न सिर्फ तालाब में खूब पानी भर गया, बल्कि फसलों की उपज भी काफी बढ़ गई है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में एक आतंकी ढेर

- शनिवार को हेड कॉन्स्टेबल की मौत हुई थी, एसीपी और एसआई घायल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बिलावर तहसील स्थित कोग-मंडली में रविवार को दूसरे दिन भी सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों ने बताया कि दोपहर एक आतंकी मारा गया है। उसका शव बरामद हो गया है। जम्मू जोन के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस आनंद जैन ने बताया कि सुरक्षाबलों ने शनिवार, 28 सितंबर को सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। उन्हें तीन से चार विदेशी आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। देर शाम आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की, जिसमें हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद की मौत हो गई। एएसपी और असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर घायल हुए थे। दोनों अधिकारियों की हालत अभी स्थिर है। कुलगाम में 2 आतंकी ढेर, 5 सुरक्षाकर्मी घायल कुलगाम के आदिगाम देवसर इलाके में भी शनिवार, 28 सितंबर को एनकाउंटर हुआ। इसमें सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। गोलीबारी में सेना के 4 जवान और कुलगाम के एएसपी घायल हुए।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 30 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

2 अक्टूबर को आसमान पर दिखेगी अनोखी घटना !

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पृथ्वी पर एक दुर्लभ खगोलीय घटना होने वाली है। एक सूर्य ग्रहण लगने वाला है। यह साल का दूसरा और आखिरी सूर्य ग्रहण होगा जो बुधवार यानी 2 अक्टूबर को लगेगा। यह एक वलयाकार सूर्य ग्रहण होगा जो आसमान में रिंग ऑफ फायर बनाएगा। दरअसल सूर्य ग्रहण लगने का वैज्ञानिक कारण है। जब भी पृथ्वी,

लगेगा रिंग ऑफ फायर सूर्य ग्रहण, वलयाकार होगा यह ग्रहण

चंद्रमा और सूर्य एक सीध में आ जाते हैं तो सूर्य ग्रहण लगता है। चंद्रमा तब पृथ्वी और सूर्य के बीच में होता है। इससे सूर्य से आने वाला प्रकाश बाधित हो जाता है। पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले चंद्रमा की दूरी भी समय-समय पर बदलती रहती है। चंद्रमा की दूरी बदलने से पृथ्वी से देखने पर यह

छोटा और बड़ा दिखाई देता है। जब चंद्रमा पृथ्वी के सबसे नजदीक होता है तब यह बड़े आकार का दिखता है। इस दौरान अगर सूर्य ग्रहण लगे तो वह पूरे सूर्य को ढक पाता है, जिसे पूर्ण सूर्य ग्रहण कहा जाता है। तब अंतरिक्ष से देखने पर पृथ्वी पर चंद्रमा की एक बड़ी परछाई दिखती है। जिस इलाके में सूर्य ग्रहण लगता है वहां पर कुछ मिनटों के लिए दिन में रात जैसा नजारा हो जाता है। तापमान में भी गिरावट देखने को मिलती है। वलयाकार रिंग के दौरान चंद्रमा पृथ्वी से दूर होता है तो इसका आकार बदल जाता है। यह तब देखने में छोटा लगता है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में 'नेम प्लेट' पर विवाद, बीजेपी-जेडीयू में खिंची तलवारें

- भाजपा का तर्क नेम प्लेट से पारदर्शिता आएगी, जबकि जदयू इसे अनावश्यक मानती है

पटना (एजेंसी)। बिहार में जनता दल यूनाइटेड और भारतीय जनता पार्टी के बीच नेम प्लेट को लेकर मतभेद उभर कर सामने आ गया है। भाजपा जहां दुकानों पर नेम प्लेट लगाने के पक्ष में है, वहीं जदयू इसे अनावश्यक मानती है। भाजपा का कहना है कि नेम प्लेट से पारदर्शिता आएगी और लोग अपनी आस्था के अनुसार दुकानों पर जा सकेंगे। वहीं जदयू का तर्क है

कि नेम प्लेट से कोई फायदा नहीं होगा। उनका कहना है कि खाने-पीने की चीजों की गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए, न कि दुकानों के नाम की। यह पहली बार नहीं है जब दोनों दलों के बीच वैचारिक मतभेद सामने आए हैं। राम मंदिर निर्माण के मुद्दे पर भी जदयू ने शुरू में चुप्पी साधे रखी थी। आठ महीने बाद मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बधाई दी थी। विश्लेषकों का मानना है कि जदयू अपनी सेक्युलर छवि को बरकरार रखना चाहती है, इसलिए वह भाजपा के हिंदुत्व के एजेंडे से दूरी बनाए रखती है। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि नेम प्लेट लगाने से कुछ नहीं होगा। जरूरत इस बात की है कि चीजों की गुणवत्ता की जांच हो।

बंगाल में डॉक्टर्स फिर से शुरू कर सकते हैं हड़ताल

- आज सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के बाद लेंगे फैसला, 3 डॉक्टरों की पिटाई से नाखुश

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में 8-9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर मामले के बाद 42 दिन तक हड़ताल करने वाले जूनियर डॉक्टर्स फिर से हड़ताल कर सकते हैं। डॉक्टरों ने शनिवार रात को कहा कि सोमवार यानि 31 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई होगी। इस दौरान राज्य सरकार वर्कप्लेस पर सेफ्टी और सिक्योरिटी को लेकर जवाब दाखिल करेगी। राज्य सरकार के जवाब के बाद हम हड़ताल फिर से शुरू करने फैसला ले

सकते हैं। दरअसल, कोलकाता के सागोर दत्ता हॉस्पिटल में 27 सितंबर को एक मरीज की मौत के बाद 3 डॉक्टरों और 3 नर्सों से पिटाई का मामला सामने आया था। इसी घटना से जूनियर डॉक्टर्स नाराज हैं। उन्होंने अस्पताल में प्रदर्शन भी किया। इस मामले में 4 प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को हिरासत में लिया गया है। 42 दिन तक हड़ताल करने के बाद जूनियर डॉक्टर्स ने राज्य स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय से साल्ट लेक स्थित बीजेपी कार्यालय तक मार्च निकालने के बाद 21 सितंबर को काम पर लौटे थे।

हरदा रेप कांड के आरोपी ने जहर खाया, भोपाल रेफर

6 दिन बाद अरेस्ट हुआ, पुलिस ने पीछा कर पकड़ा; बोला-गिरफ्तारी का डर था

सुनील कोरकू, आरोपी

हरदा (नप्र)। हरदा के छीपाबड़ इलाके के एक गांव में 5 साल की बच्ची से रेप के आरोपी सुनील कोरकू ने जहर खा लिया है। उसे भोपाल रेफर किया गया है। रविवार सुबह उसे गिरफ्तार किया गया। शनिवार शाम पुलिस को उसके रहटगांव थाना क्षेत्र में होने की सूचना मिली थी। इसके बाद अलग-अलग टीमें रात भर सर्चिंग में लगी रहीं। आरोपी नजरपुरा गांव के खेत में छिपा था। सुबह पुलिस को देखकर वह भागने लगा, लेकिन पुलिसकर्मियों ने पीछा कर पकड़ लिया। पता चला है कि पकड़े जाने के डर से उसने पहले ही जहर खा लिया था।

पीड़ित बच्ची के पिता ने कहा कि मैं पुलिस टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने पूरी ताकत, दलबल लगाकर आरोपी को पकड़ा। उसे फांसी की सजा मिलना चाहिए। इससे पहले, छह थानों और पुलिस लाइन के करीब 200 पुलिसकर्मी उसे खोजने में जुटे थे। हरदा से बैतूल और खंडवा की सीमा तक 250 किमी क्षेत्र में फैले जंगल में ड्रोन के जरिए आरोपी की तलाश की जा रही थी। एसपी अभिनव चौकसे खुद भी जंगल में डेरा डाले रहे। आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी पहले भी एक रेप केस में 3 साल की सजा काट चुका है।

आरोपी बोला- पकड़े जाने के डर से खाया था जहर

बताया जा रहा है कि आरोपी नजरपुरा के पास के खेतों में छिपा था। यहां उसने किसी खेत में रखी जहरीली दवा अपने पास रख ली थी। पुलिस जब पकड़ने आ रही थी, उससे पहले ही उसने जहर खा लिया। जब उसे पकड़कर मेडिकल के लिए जिला अस्पताल लेकर आए, तब उसने जहर खाने की बात पुलिस को बताई। यहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे भोपाल रेफर कर दिया गया है।

झारखंड विधानसभा चुनाव अकेली लड़ेगी एलजेपी-आर

चिराग पासवान बीजेपी को देंगे झटका! बोले-सभी विकल्पों पर हो रही चर्चा

रांची (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ेगी। रविवार को रांची में पत्रकारों से बातचीत में चिराग पासवान ने कहा

कि झारखंड विधानसभा गठबंधन में या अकेले चुनाव लड़ने सहित सभी विकल्पों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। चिराग पासवान ने यह बयान ऐसे समय दिया है जब एक दिन पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की थी कि बीजेपी झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव एनडीए के घटक दलों आजसू पार्टी और जेडीयू के साथ मिलकर लड़ेगी। हालांकि लोजपा (रामविलास) केंद्र में भाजपा नीत राजग सरकार का हिस्सा है।

मन की बात पर पीएम मोदी बोले

बाइडेन ने अपनापन दिखाया 300 कलाकृतियां लौटाईं

- 10 साल पूरे होने पर कहा-कार्यक्रम मंदिर में पूजा करने जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 114वें एपिसोड में कहा- हमारी यात्रा को 10 साल हो चुके हैं। यह कार्यक्रम विजयादशमी के दिन शुरू हुआ था। 10 साल पूरे होने के समय नवरात्रि का पहला दिन होगा। मन की बात के कई पड़ाव हैं, जिन्हें मैं भूल नहीं सकता। यह कार्यक्रम मेरे लिए मंदिर में पूजा करने जैसा है। पीएम मोदी ने कहा कि हाल की अमेरिका यात्रा के को लेकर बहुत मैसेज मिले। हमारी प्राचीन कलाकृतियों को लेकर बहुत चर्चा हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनापन दिखाया। उन्होंने भारत को करीब 300 कलाकृतियों वापस लौटाई। इनमें से कुछ 4 हजार साल पुरानी हैं। मन की बात मेरे लिए ऐसी है जैसे मंदिर जाकर पूजा करना। मैं सभी मीडिया को धन्यवाद करता हूं,क्योंकि उन्होंने इस कार्यक्रम को घर-घर पहुंचाया है। यूट्यूबर्स ने इस पर कई कार्यक्रम किए हैं। मुझे अच्छा लगता है जब लोग ये कहते हैं कि उन्होंने मन की बात को स्थानीय भाषा में सुना। इस यात्रा के दौरान कई ऐसे साथी हैं, जिनका निरंतर सहयोग मिलता रहा है। एक धारणा ऐसी घर कर गई है, कि जब तक चटपटी नकरात्मक बातें न हों तब तक उसे तवज्जोह नहीं मिलती।

मंच पर भाषण देते समय बिगड़ी मल्लिकार्जुन खरगे की तबीयत

चेकअप के लिए बुलाए गए डॉक्टर, बोले-इतना जल्दी नहीं मरूंगा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए कठुआ पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मंच पर भाषण देते हुए तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उनके भाषण को बीच में रोका गया और पार्टी नेताओं ने उनका हाथ पकड़कर कुर्सी पर बैठाया। पार्टी नेताओं ने

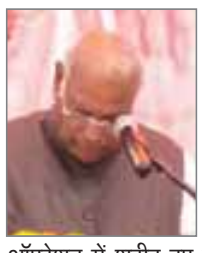

बताया कि अब उनकी हालत स्थिर है और डॉक्टरों को उनका चेकअप करने के लिए बुलाया गया है। खरगे कठुआ में आतंकवादियों के साथ चल रहे ऑपरेशन में शहीद हुए एक हेड कांस्टेबल को श्रद्धांजलि दे रहे थे। इस घटना में दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं और एक आतंकवादी मारा गया है। कांग्रेस महासचिव गुलाम अहमद मीर ने बताया, वह जसरोटा में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे, तभी उन्हें बेचैनी और चक्कर आने लगा। उनके सहयोगियों ने उन्हें कुर्सी पर बैठाने में मदद की। उन्होंने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष की हालत स्थिर है।

हुड्डा साहब सत्ता में थे तो दलालों डीलरों और दामादों की सरकार थी

हरियाणा चुनाव में अमित शाह बोले-राहुल बाबा झूठ बोलने की मशीन

- एक जाति और एक जिले का विकास करती थी सरकारें

करनाल (एजेंसी)। देश के गृह मंत्री अमित शाह रविवार को हरियाणा के दौरे पर थे। उन्होंने बादशाहपुर और नांगल चौधरी में रैली को संबोधित किया। करनाल में गृह मंत्री अमित शाह की सभा है। बादशाहपुर में अमित शाह ने कहा कि यह द्रोण की नगरी है, यहां जब भी कोई स्वतंत्रता संग्राम हुआ, हरियाणा के यादव समाज के भाई-बहनों ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अमित शाह ने कहा कि हरियाणा ऐसा राज्य है, जहां की माताओं ने अपने जवानों को सेना में भेजा है। हरियाणा वीरों की भूमि है। मोदी जी जब 2014 में सत्ता में आए, तो उन्होंने अपना चुनाव अभियान हरियाणा से शुरू किया। प्रचार के दौरान मोदी जी ने वादा किया था वह पूरा होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 3 अक्टूबर को माता रानी के नवरात्रि शुरू हो रहे हैं, 5 अक्टूबर को मतदान है, जब आप वोट डालें तो याद रखें कि यह वही कांग्रेस है, जो माता रानी का अपमान करती है। इसे ध्यान में रखकर वोट करें। हरियाणा में जब पिछली सरकारें आती थीं तो वे एक जाति और एक जिले का विकास करती थीं। 2014 में हरियाणा की जनता ने भाजपा की सरकार बनाई, 10 साल तक भाजपा सरकार ने प्रदेश की 36 बिरादरियों का विकास किया। जब हुड्डा साहब सत्ता में थे तो दलालों, डीलरों और दामादों की सरकार थी। तब उन्होंने अपने दामाद को दिल्ली में अमीर बनाने के लिए गुरुग्राम में करोड़ों रुपए की जमीन बर्बाद कर दी। **बिना पर्ची और खर्ची के सरकारी नौकरियां दी-** एक वीडियो का हवाला देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस का एक प्रत्याशी दावा कर रहा है कि अगर मुझे विधायक बनाया गया तो मैं अपने हर समर्थक को 50 नौकरियां दूंगा। कैसे दोगे भाई, कोई नियम है कि नहीं। अगर ये अपने समर्थकों को ही नौकरियां देंगे तो हरियाणा की जनता क्या करेगी।

स्तन कैंसर पर जागरूकता के लिए पिंक मैराथन आयोजित

भोपाल/हैदराबाद। भारत में स्तन कैंसर की बढ़ती घटनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एमईआईएल (मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड) और सुधा रेड्डी फाउंडेशन ने हैदराबाद के गाचीबोवली स्टेडियम परिसर में एक मेगा मैराथन पिंक पावर रन 2024 का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन आम लोगों के मन में स्तन कैंसर के बारे में फैली भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से किया गया था ताकि शीघ्र निदान और उपचार से उन्हें इस बीमारी से छुटकारा मिल सके।

पिंक पावर रन में 3, 5 और 10 किमी की दौड़ का आयोजन किया गया- इसके मुख्य अतिथि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी थे। एमईआईएल के प्रबंध निदेशक पी.वी. कृष्णा रेड्डी, सुधा रेड्डी, स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजन सिंह के साथ उन्होंने पिंक पावर रन के विजेताओं को पुरस्कार और पदक प्रदान किए।

इस आयोजन का मुख्य आकर्षण था हजारों लोग एक साथ आकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करना। प्रतियोगियों ने मैदान मे पक्षी के आकार की एक विशाल मानव आकृति बनाई जो एकता, आशा और दृढ़ संकल्प का प्रतिनिधित्व करती थी।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के सबसे पुराने क्रेटर पर उतरा

- रिसर्चर्स बोले-यह 3.85 अरब साल पहले बना था
- इस साइट पर कोई दूसरा मिशन लैंड नहीं हुआ है

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्र मिशन और सैटेलाइट्स की तस्वीरों का विश्लेषण करने वाले वैज्ञानिकों ने अनुमान जताया है कि चंद्रयान-3 चंद्रमा के सबसे पुराने क्रेटर्स में से एक पर उतरा। वैज्ञानिकों की टीम में अहमदाबाद के फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी एंड इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के रिसर्चर्स भी शामिल हैं। फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी के प्लैनेटरी साइंस डिवीजन में एसोसिएट प्रोफेसर एस विजयन ने बताया कि यह क्रेटर 3.85 अरब साल पहले नेक्टेरियन काल के दौरान बना था। नेक्टेरियन काल चंद्रमा के इतिहास में सबसे पुराने समय काल में से एक है। एस विजयन ने न्यूज एजेंसी को बताया कि चंद्रयान-3 लैंडिंग साइट एक यूनीक जियोलॉजिकल सेटिंग है। वहां इससे पहले कोई दूसरा मिशन नहीं गया है।

चंद्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर की तस्वीरें इस लैटीट्यूड पर चंद्रमा की पहली तस्वीरें हैं। तस्वीरें से पता चलता है कि चंद्रमा समय के साथ कैसे बदला है। भारत ने चंद्रयान-3 को 14 जुलाई 2023 को 3 बजकर 35 मिनट पर आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया था। 22 दिन बाद 5 अगस्त को यह चंद्रमा के ऑर्बिट में पहुंचा था। चंद्रयान-3 ने लॉन्च होने के 41वें दिन 23 अगस्त को चंद्रमा पर लैंडिंग की। इसी के साथ भारत चंद्रमा के साउथ पोल पर उतरने वाला पहला देश बन गया। क्रेटर क्या है और कैसे बनता है किसी भी ग्रह, उपग्रह को क्रेटर कहा जाता है। बाहर निकले सामान को इजेक्टा कहते हैं। एस विजयन ने कहा कि इजेक्टा का बनना उसी तरह है जब आप एक गेंद को रेत पर फेंकते हैं और उसमें से कुछ रेत खाली हो जाती है।

इंदौर में स्वच्छ वाकेथॉन रैली

नेहरू स्टेडियम में आयुष्मान भारत जागरूकता को लेकर लोगों ने दिया संदेश

- डॉक्टर्स, पुलिस अधिकारियों सहित कई लोगों ने लिया हिस्सा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में 20 से 30 सितम्बर तक आयुष्मान भारत पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को स्वच्छ वाकेथान, स्वच्छता ही सेवा और आयुष्मान भारत जागरूकता रैली निकाली गई। सुबह 7.30 बजे निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने नेहरू स्टेडियम में हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसमें आसपास के रहवासी, अन्य क्षेत्रों के लोगों के अलावा डॉक्टर्स, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी आदि भी शामिल हुए। पुलिस ने 'इंदौर पुलिस, फिट पुलिस' के संदेश के साथ प्रतिभागियों के साथ दौड़कर उनका उत्साहवर्धन किया। सीएमएचओ डॉ. बीएस सेतिया के साथ स्वास्थ्य विभाग के भी काफी शामिल हुए और दौड़ लगाई।

इंदौर में एक्टिवा सवार युवती से मारपीट

सहेली की गाड़ी को कट लगा तो पिता और भाई ने कहे अपशब्द

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के आजाद नगर इलाके में एक्टिवा सवार युवती के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक युवती की सहेली के पिता और भाई ने उसके साथ मारपीट की। पीड़िता की गाड़ी से सहेली की मोपेड को कट लग गई। जिसके चलते वह सड़क पर गिरी और घटना के बाद पिता और भाई को कॉल कर बुला लिया। आजाद नगर पुलिस के मुताबिक खुशी गोयल(20) निवासी इंद्रा नगर की शिकायत पर राकेश अवछट और कार्तिक पर केस दर्ज किया गया है। खुशी ने पुलिस को बताया कि वह साड़ी की दुकान पर जॉब करती है। शनिवार रात करीब 9:30 बजे जब वह शॉप से घर के लिए निकली तो एकता नगर पर किराना दुकान के सामने उसकी सहेली की मोपेड को एक्टिवा से कट लग गई। जिसके बाद पायल वर्मा के साथ बैठी रूपाली अवछट को बुरा लगा और उसने कॉल कर पिता राकेश अवछट और भाई कार्तिक को बुला लिया। दोनों ने वहां आते ही अपशब्द कहे। उन्हें इस बात से रोका तो दोनों ने खुशी के साथ मारपीट की और उसे सड़क पर गिरा दिया। इस दौरान किसी ने खुशी के भाई सत्यम को खबर कर दी। उसने मौके पर पहुंचकर बचाव किया। इस दौरान खुशी और उसके भाई सत्यम को जान से मारने की धमकी देकर वहां से चले गए। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।

इंदौर में धर्मांतरण को लेकर थाने पहुंचे हिंदूवादी

- घर में प्रार्थना कर रहे ईसाई समुदाय के लोगों को थाने लाकर की गई पूछताछ

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के हीरानगर में धर्मांतरण को लेकर हिंदूवादियों ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घर में प्रार्थना कर रहे लोगों को लेकर थाने आ गई। यहां पर पुलिसकर्मी उनसे पूछताछ कर रहे है हीरानगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बापट चौराहे स्थित एक घर में कुछ लोगों के प्रार्थना करने की जानकारी मिली। जो झाबुआ के रहने वाले बताए गए। कुछ महिला और लड़कों को घर में बैठाकर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाया गया। मामले में हीरा नगर पुलिस को जानकारी दी गई। जिसमें पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर सभी को थाने लेकर आ गई। यहां मौजूद लोगों ने बताया कि जिस व्यक्ति के यहां वह पहुंचे थे वह पहले से ईसाई धर्म अपना चुका है। उससे मिलने आए थे। इधर हिंदूवादियों का आरोप है कि कुछ हिंदू महिलाओं को बैठाकर वह ईसाई धर्म अपनाने के लिये दबाव बना रहे थे। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है। मामले की जानकारी में हिंदूवादी भी थाने पहुंचे। पुलिस के मुताबिक मौके से कुछ धार्मिक पुस्तकें भी मिली है। जिसमें हिरासत में आए लोगो का कहना है कि वह धर्म के लिए काम करते है तो इस तरह की किताबें उनके पास रहती है। हालाकि हिंदूवादी मामले में केस दर्ज करवा रहे है। अफसरों के मुताबिक जांच के बाद पूरे मामले में केस दर्ज किया जाएगा।

इंदौर में विद्युत मंडल के खिलाफ महिलाओं ने बजाई थाली

लाल बंगला रहवासी संघ ने अघोषित कटौती के विरुद्ध किया प्रदर्शन, नारेबाजी भी की

इंदौर (एजेंसी)। आए दिन की जा रही अघोषित कटौती के खिलाफ जनता उतरी मैदान में उतर आई। लाल बंगला रहवासी संघ ने 29 सितंबर की दोपहर को न्यू देवास रोड पर यह प्रदर्शन किया और विद्युत मंडल के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। रहवासी संघ के विकास जैन सतभैया, महेंद्र जोशी और नरेश नरुका ने बताया कि पिछले 4 महीनों से आए दिन घंटों-घंटों तक बगैर सूचना लगातार कटौती की जा रही है। कभी सुबह कभी रात, जिससे रहवासियों का जीना दुश्वार हो गया है। इसमें प्रमुख क्षेत्र मालवा मिल, न्यू देवास रोड, पंडितजी की चाल, गौशाला, दुबे का बगीचा, वल्लभनगर शामिल है।

शिकायतें की पर कोई निराकरण नहीं निकला

रहवासियों ने बताया कि कई बार वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायतें की, फिर भी कोई निराकरण नहीं निकला, जबकि हर माह विद्युत मंडल का बिल भरा जा रहा है, लेकिन सुविधा के नाम पर सिर्फ अंधेरा मिल रहा है। अब जाकर रहवासी ने विद्युत मंडल के कुंभकरण की नींद में सोए हुए अधिकारियों को जगाने के लिए महिलाओं ने थाली चम्मच बजाकर व बच्चों ने हाथों में तख्तियां लेकर

विरोध प्रदर्शन किया। पुरुषों ने हाथों में लालटेन और चिमनी ले रखी थी। बच्चों के हाथों में तख्तियां थी, जिसमें लिखा था- प्रधानमंत्री जी कहते हैं बेटी पढ़ाओ..विद्युत मंडल कहता है अंधेरे में पढ़ाई करो...लाइट न होने के कारण.. डेंगू मच्छरों से परेशान हो रहे हम बच्चे, ध्यान दो ध्यान दो..

पाटनीपुरा जोन पर जिम्मेदारों को चूड़ी भेंट करेंगी महिलाएं

अगर विद्युत मंडल अपनी बिजली डीपी व केबल की समस्या का हल नहीं करते हैं और 3 दिन में सुनवाई नहीं करते हैं तो रहवासी संघ पाटनीपुरा जोन पहुंचेंगे और महिलाएं चूड़ी भेंट करेंगी। रहवासी संघ द्वारा क्षेत्रीय विधायक महेंद्र हार्डिया को भी अवगत करवाया। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शिकायत की है। प्रदर्शन के दौरान जनप्रतिनिधि के रूप में MIC सदस्य व क्षेत्रीय पार्षद नंदकिशोर पहाड़िया भी मौजूद रहे। उन्होंने भी अधिकारी को मौके बुलाकर अल्टीमेटम दिया और कहा कि कुछ भी बहाना नहीं चलेगा, समस्या हल होनी चाहिए।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शामिल थे रहवासी

प्रदर्शन में प्रमुख रूप से योगेश जैन, गिरीश जैन, राधेश्याम नरूका, पूनमचंद सतभैया, रमेश जैन, पप्पू यादव, हेमराज शर्मा, पंकज गज्जर, विवेक जैन, प्रकाश नरूका, केतन जैन, जगदीश जैन, कैलाश नेकाड़ी, निर्मल जैन, अर्पित जैन, हेमंत जैन, गोविंद गहलोत सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे भी शामिल थे।

इंदौर में फैशन वीक सीजन 3 का दूसरा दिन

रैंप पर जगमगाए टॉप मॉडल्स, फिल्म एवं टीवी के सितारे

- अनेक रंगों से सजे पारंपरिक परिधान में दिखाए आकर्षक अंदाज

इंदौर (एजेंसी)। कहीं फेस्टिव, तो कहीं वेडिंग कलेक्शन का नायाब नमूना... इन्हें रैंप पर लेकर उतरते देश के टॉप मॉडल्स, फिल्मों एवं टीवी के सितारे... चटख रंगों से लेकर हल्के और पेस्टल रंगों से सजे पारंपरिक भारतीय परिधान... जिनपर किया गया खुबसूरत जरदोजी, पैच और थ्रेड वर्क... नजारा शनिवार की शाम इंदौर के बायपास स्थित एक होटल में देखने को मिला। यहां 'एनआईएफडी ग्लोबल इंदौर टाइम्स फैशन वीक सीजन 3' के दूसरे दिन रैंप पर सेलेब्रिटी डिजाइनर से लेकर कॉलेज के छात्रों का हुनर नजर आया।

चटक और हल्के रंगों में बेहतरीन ट्रेडिशनल लहंगे

इसमें परिधानों के अनुरूप गूंजते तेज और सौम्य संगीत के साथ कलेक्शन रैंप पर उतारे गए मोहनलाल एंड संस ने अपकमिंग वेडिंग और फेस्टिव सीजन को देखते हुए चटक और हल्के रंगों में बेहतरीन ट्रेडिशनल लहंगे, साड़ियां और वेस्टर्न ड्रेसेस का कलेक्शन रैंप पर उतारा। इससे पहले राधा डिजाइनर स्टूडियो बाय पूजा ने 'मुहूर्त' नाम से कलेक्शन पेश किया, जिसकी शो स्टॉपर ईशा मालवीय रहीं। सेज

यूनिवर्सिटी इंदौर ने 'व्हाइट बोटानिकल विद द ब्यूटी ऑफ पर्ल्स' नाम से रैंप पर अपना कलेक्शन उतारा। शाम का शो झांझरिया ज्वेलर्स प्रेजेंट बाय फरहा सैयद के कलेक्शन के नाम रहा, जिसे अभिनेत्री भाग्यश्री ने शो स्टॉपर बन रैंप पर उतारा।

शादी बाय मेरियट के लिए रेशमा और रियाज गांगजी ने उतारा कलेक्शन

खास आकर्षण शादी बाय मेरिएट प्रेजेंट बाय लिबास रेशमा और रियाज गांगजी रहा। इस कलेक्शन को शो स्टॉपर टीवी सेलेब्रिटी देबिना और गुरमीत रहे। इनके ब्राइडल कलेक्शन को मुंबई की मॉडल्स ने भी रैंप पर उतारा। आखिर में डिजाइनर रेशमा, रियाज गांगजी और शो स्टॉपर देबिना, गुरमीत के साथ होटल ग्रैंड शेरेटन के जनरल मैनेजर रोहित बाजपेई भी रैंप पर नजर आए। एनआईएफडी ग्लोबल की चेयरपर्सन साधना तोडी ने बताया कि अंतिम दिन डिजाइनर नरेंद्र कुमार और सौरभ कांत श्रीवास्तव के नाम होगा। सौरभ कांत श्रीवास्तव के कलेक्शन रैंप पर प्रेजेंट किए जाएंगे। इसके बाद मोयरा प्रेजेंट्स अमिष्का में नरेंद्र कुमार के कलेक्शन भी रैंप पर लेकर अभिनेत्री संजीदा शेख उतरेंगी। अंतिम दिन ही रिलायंस ट्रेंड्स, शहर की महिलाओं का प्रतिष्ठित ग्रुप इनमो भी रैंप पर होगा।

टीवी सीरियल निर्देशक रंजन कुमार का अभिनंदन

संयुक्त माली समाज महासंघ सहित सौ से अधिक संस्थाओं ने गजासीन शनिधाम पर किया सम्मान

इंदौर (एजेंसी)। गजासीन शनि धाम के प्रमुख महामंडलेश्वर दादू महाराज के आव्हान पर 28 सितंबर को रात्रि 9 बजे टीवी सीरियल निर्देशक रंजन कुमार का 100 से अधिक संस्थाओं ने अभिनंदन किया। इसमें सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक संस्थाओं और राजनीतिक दल शामिल थे। इस अभिनंदन से अभिभूत रंजन कुमार ने अपने कुछ लोकप्रिय सीरियल के टाइटल सांग भी गाकर सुनाए।

गजासीन शनि मंदिर धाम के प्रमुख महामंडलेश्वर दादू महाराज के सान्निध्य में हुए इस कार्यक्रम में संयुक्त माली समाज महासंघ ने भी स्वागत किया। इस अवसर पर संयुक्त माली समाज महासंघ इंदौर मध्य प्रदेश के अध्यक्ष भगवती प्रसाद माली, उपाध्यक्ष संजय जालिया, संगठन मंत्री कैलाश वर्मा, उपकोषाध्यक्ष कैलाश पटेल, प्रचार प्रमुख सुभाष दूर, प्रभु माली, चंदू गहलोत, गोरख भामरे मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि रंजन कुमार ने प्रमुख रूप से लोकप्रिय सीरियल सीआईडी, नागिन, जोधा अकबर, महाराणा प्रताप, बालिका वधू, द ग्रेट मराठा, चंद्रकांता आदि का निर्देशन किया है। कार्यक्रम का संचालन ऑल इंडिया सैनी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संयुक्त मध्य समाज महासंघ इंदौर मध्य प्रदेश की संरक्षकअलका सैनी ने किया।

इंदौर में अभी हल्की बारिश का ही रहेगा दौर

अब तक 35 इंच बारिश, दिन के तापमान में लगातार गिरावट, उमस से मिलने लगी राहत

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में मानसून की विदाई में हल्की बारिश का दौर जारी है। रविवार को भी इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में कई स्थानों पर रिमझिम बारिश हो रही थी। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक मानसून ट्रफ, लो प्रेशर एरिया और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की एक्टिविटी कमजोर पड़ने से अब तेज बारिश का दौर थम जाएगा। आज इंदौर भीगेगा जरूर लेकिन भारी बारिश जैसी स्थिति नहीं रहेगी। हल्की बारिश के साथ गरज-चमक के आसार हैं। मौसम

वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया कि देश में सिस्टम तो एक्टिव है लेकिन यह मध्य प्रदेश से दूर है। इस वजह से तेज बारिश होने का अनुमान नहीं है। इंदौर में एक हफ्ते से हल्की बारिश ही हुई है। गुरुवार और शुक्रवार को 1-1 इंच बारिश हुई थी। शनिवार को रुक-रुककर बारिश हुई और आधा इंच रिकॉर्ड की गई। सीजन में अब तक 35 इंच बारिश हो चुकी है। सीजन की बारिश का कोटा 2020 से 37.48 इंच ही तय किया गया है। इस लिहाज से अभी करीब ढाई-तीन इंच बारिश की जरूरत है।शुक्रवार को दिन का तापमान 28.3 (-4) डिग्री और रात का तापमान 22.6 (-2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।। शनिवार को यह एक डिग्री लुढ़ककर 27.1 (-6) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रात का तापमान 22.6 (+2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रात का तापमान तीन दिनों से स्थिर है। अभी औसत से 2 डिग्री ज्यादा है। दिन का तापमान अभी औसत से 6 डिग्री कम है जिससे उमस लगभग खत्म हो गई है।

प्लानिंग में अनदेखी से हार रहे युवा खिलाड़ी

स्विमिंग पूल में 'डुबो' दी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की जमीन

- चौड़ाई कम होने से हॉकी-फुटबॉल टर्फ नहीं बन सकेंगे

इंदौर (एजेंसी)। भूमि विकास नियमों में पर्याप्त एफएआर नहीं मिलने से पीपल्याहाना स्विमिंग पूल के पास स्कीम 94 में इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का फैसला निरस्त करना पड़ा था। अब यहां आउटडोर कॉम्प्लेक्स में चौड़ाई का पेंच आ गया है। यहां हॉकी-फुटबॉल के लिए टर्फ व अन्य सुविधाएं प्रस्तावित थीं। चौड़ाई इतनी नहीं है कि यहां अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय मानक के अनुसार मैदान बना सकें। आईडीए ने पीपल्याहाना में स्कीम 94 में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स व स्विमिंग पूल के लिए जगह रिजर्व की थी। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार स्विमिंग पूल का निर्माण किया। साढ़े 4 एकड़ जमीन में से 42 मीटर बाय 210 मीटर की जगह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लिए छोड़ी गई। आईडीए बोर्ड ने इनडोर गेम्स की प्लानिंग की। डिजाइन भी बन गई।

नियमों के चलते मामला अटक गया। फिर हॉकी, फुटबॉल टर्फ के साथ ही अन्य खेल सुविधाओं के लिए आउटडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की योजना बनाई गई।

1000 से ज्यादा खिलाड़ी फुटबॉल के शहर में

400 खिलाड़ी हॉकी खेल रहे

50 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हर साल निकलते इंदौर से

1000 खिलाड़ी क्रिकेट से जुड़े हैं

45 मीटर चौड़ाई चाहिए, 42 मीटर ही उपलब्ध

स्विमिंग पूल बनने के बाद जो जगह उपलब्ध है, उसकी चौड़ाई के कारण मुश्किल आ रही है। हॉकी व फुटबॉल के मैदान के लिए अंतरराष्ट्रीय-राष्ट्रीय मानक देखें तो हॉकी के लिए 91.1 बाय 55 मीटर व फुटबॉल के लिए 90 बाय 45 मीटर की न्यूनतम जरूरत होती है। आईडीए के पास जो चौड़ाई उपलब्ध है, वह मात्र 42 मीटर है। लंबाई पर्याप्त है। अब अफसरों का कहना है कि इसमें हॉकी या फुटबॉल के लिए जो टर्फ बनेगा, वह सिर्फ प्रैक्टिस के लिए ही रहेगा।

- देवकीनंदन सिलावट, अध्यक्ष, हॉकी इंदौर संघ

सिर्फ अभ्यास ग्राउंड से फायदा नहीं

आईडीए को स्विमिंग पूल के साथ ही समग्र प्लानिंग करना चाहिए थी। हॉकी-फुटबॉल के लिए पर्याप्त चौड़ाई नहीं होगी तो सिर्फ अभ्यास या प्रैक्टिस ग्राउंड बनाने से कोई फायदा नहीं होगा।

आईटी इंजीनियर के साथ जेल रोड पर मारपीट

आईफोन का सौदा कर रहे थे, बॉक्स फटा होने पर डंडे से पीटा

इंदौर (एजेंसी)। जेल रोड पर इंदौर के एक आईटी इंजीनियर के साथ मारपीट हो गई। वह शनिवार को अपना आईफोन बेचने गया था। यहां दुकान कर्मचारी से हुए विवाद पर वहां मौजूद तीन लोगों ने बुरी तरह से पीट दिया। पुलिस ने इंजीनियर की शिकायत पर केस दर्ज किया है। एमजी रोड पुलिस के मुताबिक चर्चिल जैन की शिकायत पर पुलिस ने रूपेश चौहान, अमित और साहिल पर केस दर्ज किया है। चर्चिल ने पुलिस को बताया कि वह पीडब्लूसी आईटी कंपनी में जॉब करता है। वह शनिवार को अपना आईफोन 15 प्रो मैक्स बेचने पहुंचा। वह जेल रोड के डॉलर मार्केट में शॉप नंबर 1 में दुकानदार धीरज के पास पहुंचा। उसने लाख 9 हजार में मोबाइल का रेट तय किया। धीरज ने कहा कि हाट स्पॉट मोबाइल पर जाकर वहां मोबाइल देकर पेमेंट ले लो। यहां पहुंचने पर साहिल मिला। इस बीच एक कर्मचारी रूपेश ने चर्चिल से मोबाइल बॉक्स

फटने की वजह पूछी। चर्चिल ने कहा खोलते समय गलती से फट गया। इस बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया। दोनों का विवाद बढ़ते देख अमित और साहिल वहां डंडा लेकर पहुंच गए। और तीनों ने मिलकर चर्चिल को पीट दिया। उन्होंने चर्चिल को जान से मारने की धमकी भी दी। चर्चिल ने भाई विभोर और पिता महेंद्र को कॉल कर जेल रोड पर बुलाया। उनके आने पर साहिल ने चर्चिल के पिता और भाभी के साथ मारपीट की। इसके बाद चर्चिल ने थाने पहुंचकर सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

संपादकीय

मध्य पूर्व में महायुद्ध का खतरा

इजराइली सेना द्वारा आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह के चीफ हसन नसरूल्लाह के खात्मे से जहां इजराइल ने अपनी खुफिया और सैनिक शक्ति की सर्वश्रेष्ठता को सिद्ध किया है, वहीं इस बड़ी घटना से मध्य पूर्व में महायुद्ध छिड़ने की आशंका और बढ़ गई है। क्योंकि हिज्बुल्लाह का आका ईरान इस घटना के बाद बुरी तरह बौखलाया हुआ है। उस पर दबाव है कि वह ईरान के खिलाफ कार्रवाई करे। अगर ईरान ऐसा करता है तो युद्ध का दायरा बढ़ेगा और कई अरब देश, अमेरिका और पश्चिमी यूरोपीय देश भी इसकी चपेट में आएंगे। इसका परोक्ष असर भारत पर भी पड़ेगा। इजराइल ने जिस पेशेवर कुशलता और अचून निशाने के साथ हिज्बुल्लाह और उसके साथियों को मारा है, वह अत्यंत सटीक गुप्तचर जानकारी, प्रौद्योगिकी क्षमता, सैन्य आक्रमण और राजनीतिक इच्छाशक्ति का बेहतरीन उदाहरण है। इजराइल ने फिर साबित कर दिया है कि वह किसी को भी, किसी समय भी और कहीं भी मार सकता है। हिज्बुल्लाह चीफ का खात्मा जिस ढंग से किया गया, उससे ईरान भी खौफ में है। हमास के बाद हिज्बुल्लाह पर तगड़े प्रहार से इजराइल ने साफ संदेश दे दिया है कि वह आतंकी संगठनों को पूरी तरह खत्म किए बगैर रूकने वाला नहीं है। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने यूएन में स्पष्ट कहा कि लेबनान में इजराइली सैन्य अभियान जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इजराइल अब गाजा को खाली नहीं करेगा। गौरतलब है कि एक किराना दुकानदार का बेटा हसन नसरूल्लाह पहले धार्मिक नेता बना। फिर शिया आंतकी संगठन हिज्बुल्लाह से जुड़ गया। 1992 में इजराइली हमले में हिज्बुल्लाह के मुखिया सैयद अब्बास मुसावी की मौत के बाद संगठन ने नसरल्ला को अपना महासचिव चुना था। फिर वो हिज्बुल्लाह का प्रमुख बन गया। नसरूल्लाह पिछले तीन दशकों से लेबनानी सशस्त्र समूह का नेतृत्व कर रहा था, जिसने इसे दक्षिण एशिया के सबसे शक्तिशाली अर्धसैनिक समूहों में से एक बना दिया। नसरूल्लाह ने इजराइल को खत्म करने की धमकी दी थी। वह कुछ कर पाता, उसके पहले इजराइल ने उसे मौत के घाट उतार दिया। इजराइल हिज्बुल्लाह पर यह हमला उस वक्त हुआ है जब संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में दुनिया भर के नेता जुटे हुए हैं। महासभा में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हिज्बुल्लाह को नीचा दिखाने की चेतावनी दी थी और उसी के बाद नसरूल्लाह के मारे जाने की खबर आई। उस वक्त नसरूल्लाह अपने संगठन के मुख्यालय में शीर्ष कमांडरों के साथ बैठक कर रहा था। ध्यान रहे कि नसरूल्लाह के नेतृत्व में हिज्बुल्लाह ने इजराइल के खिलाफ कई युद्ध लड़े। अरब और इस्लामी दुनिया के लाखों लोगों द्वारा सम्मानित नसरूल्लाह को सैय्यद की उपाधि दी गई। अमेरिका और पश्चिम के अधिकांश देश उसे एक उग्रवादी के रूप में देखते थे। अब सवाल यह है कि नसरूल्लाह के मारे जाने के बाद मध्य पूर्व में क्या होगा? यह बात तय है कि इजराइल अपनी उत्तरी सीमा की रक्षा और इस क्षेत्र में अपने नागरिकों को फिर से बसाने के लिए दक्षिण लेबनान में ग्राउंड ऑपरेशन चलाकर हिज्बुल्लाह का सफाया करेगा। अगर इसके खिलाफ हिज्बुल्लाह और ईरान समर्थित हूती और अन्य आतंकी संगठन लड़ाई में उतरे तो युद्ध क्षेत्र का विस्तार होगा। ऐसे में इजराइल के लिए कई मोर्चों पर लड़ना आसान नहीं होगा। अगर ईरान भी बदले की भावना के साथ युद्ध में सीधे कूदता है तो इजराइल ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने में संकोच नहीं करेगा। साथ ही अमेरिका भी ईरान पर सैनिक कार्रवाई कर सकता है। आर्थिक और सैनिक रूप से ईरान इतना ताकतवर नहीं है कि कई देशों के साथ लंबी लड़ाई लड़ सके। ऐसे में वह आतंकी संगठनों को ही शह देगा, इसकी संभावना ज्यादा है।

सीजेआई के यहां पूजा में शामिल होने के मायने

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश के घर पर गणपति की स्थापना की गई थी और 11 सितंबर को उनके घर पर गणपति पूजा में प्रधानमंत्री जी पहुँचे। समाचार पत्रों में उनके मराठी वेशभूषा और मराठी टोपी लगे हुए फोटो छपे। महाराष्ट्र के ग्रामीण अंचलों में ग्रामीणजन सफेद टोपी पहनते हैं जो एक जमाने की गाँधी टोपी के समान होती थी। इस सफेद टोपी के पहनने के दो कारण संभव हैं। एक- तो यह कि महात्मा गांधी के प्रभाव में आजादी के आंदोलन के दिनों में गांधी टोपी को पहनना गांधीवादी होने का और आजादी के आंदोलन के समर्थक होने का प्रतीक था। दूसरे विदर्भ और महाराष्ट्र के बड़े इलाके में कपास पैदा होता था, कपास गर्म मौसम के क्षेत्रों में मुख्यतरू पैदा होता है और इसलिये ये कपास से बने सूत की सफेद टोपी, धोती लोगों को पहनना सुविधाजनक था।

प्रधानमंत्री जी के भारत के मुख्य न्यायाधीश के घर पर जाने के बाद देश में विभिन्न प्रतिक्रियायें आई हैं और जो मुख्यतरू अपने-अपने राजनैतिक सोच के आधार पर बंटी हुई हैं। प्रधानमंत्री जी के समर्थकों ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के घर पर उनके कार्यकाल में हुई रोजा इफ्तार पार्टी में तत्कालीन भारत के मुख्य न्यायाधीश के शामिल होने वाले फोटो जारी किये हैं जिनमें वे प्रधानमंत्री निवास में इफ्तार पार्टी में शिरकत कर रहे हैं। श्री मोदी के समर्थकों ने यह भी तर्क दिया है कि अगर मुख्य न्यायाधीश इफ्तार पार्टी में जा सकते हैं तो मुख्य न्यायाधीश के यहां गणेश पूजा में प्रधानमंत्री क्यों नहीं जा सकते? आलोचक पक्ष ने यह टिप्पणी की है कि इस घटना से प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश के बीच कुछ पक रहा लगता है। कुछ ने यह भी लिखा चूंकि सी.जे.आई. शीघ्र ही सेवानिवृत्त होने वाले हैं, इसलिये वह भविष्य की संभावनायें तलाश रहे हैं। भारत की सरकारों ने आज से नहीं बल्कि श्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पहले कांग्रेस के जमाने से ही कुछ संवैधानिक संस्थायें, यथा मानव अधिकार आयोग, प्रेस काउंसिल आफइंडिया आदि के मुखिया के पद सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के लिये वैधानिक रूप से आरक्षित कर दिये गये तथा इनका चयन सरकारें ही करती हैं। पिछले एक डेढ़ दशक में जिस प्रकार मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहे लोगों ने राज्यपाल, राज्यसभा, आदि राजनैतिक पद ग्रहण किये हैं उससे इस धारणा को बल मिला है कि कोई भी व्यक्ति अपने स्वार्थ के या पद लोलुपता के लिये अपनी संवैधानिक मर्यादाओं व सम्मान को छोड़कर किसी भी सीमा तक गिर सकता है। यह एक आम राय बनी है। मुख्य न्यायाधीश महोदय गणपति पूजक हैं और उनके यहाँ पर परंपरानुसार प्रतिवर्ष गणपति पूजा होती होगी। अगर पिछले वर्षों में भी उन्होंने प्रधानमंत्री को दावत दी होती या प्रधानमंत्री जी उनके यहाँ आये होते तब शायद यह शंका बलवती नहीं होती। परंतु यह मुख्य न्यायाधीश के कार्यकाल के आखिरी समय अचानक और आश्चर्यजनक रूप से हुई घटना है। इसलिये भी लोगों को शंका करने का अवसर मिला। कुछ प्रधानमंत्री समर्थक मित्रों ने तो एक मुस्लिम न्यायाधीश का हवाला देकर लिखा है कि उन्हें जज बनाया गया फिर राज्यसभा में लाया गया और पुनरू उनकी जज के रूप में नियुक्ति हुई। यह घटना भी सही है और ऐसी अनेकों और भी घटनाओं का उदाहरण दिया जा सकता है।

कांग्रेस सरकारों के जमाने में भी न्यायपालिकाओं को अपने अनुकूल बनाने के लिये हर प्रकार के हथकंडों का इस्तेमाल होता रहा है, यह निर्विवाद सत्य है। जस्टिस खन्ना, जस्टिस जगमोहन लाल सिन्हा और ऐसे ही कितने उदाहरण दिये जा सकते हैं। परंतु ऐसे उदाहरण देने वाले जाने-अनजाने यही सिद्ध करते रहे हैं कि मुख्य न्यायाधीश के घर की गणेश पूजा नहीं वरन गणेश परिक्रमा हो रही है। याने उद्देश्य कुछ हासिल करना है सरकार को भी और न्यायाधीश को भी। कई मित्रों ने यह संदेह व्यक्त किया था कि चूंकि 13 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत पर निर्णय होना है और यह न हो सके, ऐसा निर्णय हासिल करने के लिये प्रधानमंत्री गणपति पूजा में गये। हालांकि 13 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी आशा के विपरीत केजरीवाल को जमानत दे दी।

मैं इस पूरे विवाद को योजनाबद्ध अपने-अपने हित साधक और एक अर्थ में व्यक्ति के प्रति मूल अविश्वास और अनास्था के रूप में देखता हूं। निसंदेह अनेकों मुख्य न्यायाधीशों और न्यायाधीशों ने सत्ता के समक्ष समर्पण किया है परंतु इस आधार पर न्यायाधीश पर उंगली उठाना उचित नहीं है। क्योंकि न्यायाधीश व्यक्ति होता है वह आयेंगे व जायेंगे परंतु न्यायपालिका जो एक संवैधानिक संस्था है, अगर उसकी जनविश्वसनीयता कम होगी तो यह लोकतंत्र के लिये बड़ा आघात होगा। अपनी सारी कमियों के बावजूद भी कम से कम अभी तक देश की जनता का विश्वास न्यायपालिका पर बना हुआ है और न्यायपालिका को वह संविधान और अपने अधिकारों के रक्षक के रूप में देखती है। देश की संसद पर विश्वास घटा है यह इससे ही सिद्ध हो जाता है कि सारे प्रचार व प्रसार के बावजूद भी पक्ष व विपक्ष को मिलाकर लगभग 60 प्रतिशत लोग ही मतदान करते हैं। याने शेष 40 प्रतिशत लोगों का विश्वास संसद से टूट चुका है। सरकारें तो मुश्किल से देश के 30-40 प्रतिशत के समर्थन से बनती हैं और एक अर्थ में वे देश के अल्पमत की प्रतिनिधि है। फिर जो सत्ता पक्ष व प्रतिपक्ष के मतदाता हैं आमतौर निजी बातचीत में, वे भी अपने दलों से संतुष्ट नहीं है और एक प्रकार से लाचारी में मतदान करते हैं। प्रशासन सत्ता के गुलाम जैसा व्यवहार करता है और वह पहले से ही अविश्वसनीय है। याने संविधान के दो खंभे विधायक और कार्यपालिका तो पूर्व में ही हिल चुके हैं। अब अगर न्यायपालिका का खंभा भी हिलेगा तो अराजकता का दौर होगा जैसा कि हम लोग बंगलादेश व दुनिया के अन्य देशों में देख रहे हैं। न्यायाधीश की भी अन्यों के समान कई भूमिकायें होती हैं, वह न्याय देने का संवैधानिक अधिकारी है,वह परिवार में अपने परिवार का हिस्सा है, वह समाज में अपने समाज का हिस्सा है, अगर वह धर्मावलंबी है, अपने धर्म को मानने वाला है। एक नागरिक के रूप में उसे मतदान का अधिकार है और वह अपने विचारों के अनुकूल वह करता है। तो न्यायाधीश के मिलने जुलने में क्या खतरा है? न्यायाधीश को न्याय के महलों के नाम के बंदी ग्रहों में क्यों बंद रहना चाहिये? दरअसल ब्रिटिशकाल में एक लीगल एथिक्स नाम की संहिता बनी थी। जो आज भी वकालत पेशे के लिये एक व्यावसायिक आदर्श मानी जाती है। हालांकि एथिक्स के नियमों का पालन वकील साहवान अपनी-अपनी सुविधा के अनुसार करते हैं। फीस व केस लेने की गुणवत्ता के बारे में तो नहीं ही करते।

मैं श्री वाईके चंद्रचूड़ के ऊपर न कोई शक करता हूं न आरोपित करता हूं, जब तक कोई घटना उस आरोप को सिद्ध न करे। मैं एक इंसान के रूप में इंसान के प्रति आस्थावान हूं और हर अहिंसक, सिविल नाफरमानी के माध्यम से परिवर्तन करने वाले को मानव मात्र के प्रति आस्थावान होना चाहिए। जजों को मेरी राय में और अधिक सामाजिक बनना चाहिये। मेरी तो यह शिकायत है कि जब सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश केवल सत्ता केंद्रों तक या अपने घरों या चेम्बर तक सिकुड़कर रह जाते हैं तो उन्हें समाज की वास्तविकता का ज्ञान नहीं हो पाता। अगर न्यायाधीश महोदय भी यह परंपरा शुरू करें कि तीज-त्यौहारों पर वर्ग विशेष के लोगों के अलावा सामान्य लोगों को अपने बंद किलों के दरवाजे खोलें, उनसे मिले जुलें, संवाद करें तो वे ज्यादा बेहतर न्याय दे सकेंगे।

कानून के शब्द होते हैं परंतु उसे लागू करने वाले का नजरिया महत्वपूर्ण होता है। मुझे याद है कि जब श्री मार्कंडेय काटजू सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे और उनके सामने एक गरीब तृतीय या चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी का मामला अपने बकाया की सुनवाई के लिये आया था। वह व्यक्ति 25-30 साल से अपनी थोड़ी सी राशि के लिये लड़ रहा था। श्रम न्यायालय, जिला न्यायालय, उच्च न्यायालय और इन तीनों की लंबी अवधि की यात्रा पूरी कर वह सर्वोच्च न्यायालय पहुँचा था। उस गरीब के पास कोई वकील खड़ा करने की आर्थिक क्षमता नहीं थी और सरकार के विभागीय अधिकारियों की तरफसे महाधिवक्ता के पैनल के बड़े-बड़े वकील थे। जस्टिस काटजू ने फाईल को देखा और सरकारी वकील से पूछा कि आप लोगों को कितनी फीस मिली है। एक व्यक्ति को कुछ हजार रुपया नहीं देने के लिये तंत्र संगठित हो जाता है और सरकारी पक्ष की वकालत पर वकीलों पर लाखों रुपया खर्च हो जाता है। एक मिनिट में ही उन्होंने बुजुर्ग से कहा कि बाबा तुम जीत गये और तुम्हें तुम्हारा पैसा मिलेगा। यह है न्यायाधीश की मानवता जो उसे कानून की किताब से नहीं बल्कि पारिवारिक संस्कार, उनकी सामाजिकता और समाज से अंतर संवाद से मिलती है। पहले याने 1950 से लेकर लगभग 1980 तक शीर्ष न्यायपालिका का सामाजिक संवाद ज्यादा था और इसीलिये उनका दृष्टिकोण मानव अधिकारों, सामान्य व्यक्तियों, गरीबों के प्रति भी संवेदनशील था। मैं न्यायपालिका के आचरण के कई उदाहरण दे सकता हूँ।

मैं स्पष्ट कर दूँ कि मैं केवल व्यक्ति के प्रति मूल अविश्वास के खिलाफहूँ। जब तक कि वह आरोपित सिद्ध न हो जाए। अन्यथा मैं न्यायपालिका का कटू आलोचक व भुक्त भोगी भी हूँ। आजकल न्यायापालिका केवल मीडिया में छपने के लिये लगभग कथावाचकों के समान उपदेशक बन गई हैं और अपने वर्ग के प्रति याने एलिट क्लास (श्रेणी वर्ग) के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। अभी कुछ दिन पूर्व न्यायिक अधिकारियों के संगठन की ओर से एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत हुई और मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में ही एक बड़ी बेंच ने देश के 28 मुख्य सचिवों को नोटिस देकर आने का आदेश दिया। इतना ही नहीं यह भी कहा कि अगर इस तारीख को मुख्य सचिव हाजिर नहीं होंगे तो सर्वोच्च न्यायालय गैर जमानती वारंट जारी करेगा। यानि गिरफ्तारी का आदेश देगा। क्या ऐसा कोई आदेश जो अप्रत्यक्ष रूप से धमकी भरा हो देना न्यायसंगत है? क्या इसके पूर्व इतनी सक्रियता, कठोरता या धमकी का इस्तेमाल न्यायपालिका ने किसी अन्य समूह के लिये किया है? पश्चिम बंगाल के डॉक्टर महिला से बलात्कार के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर सीबीआई की जांच हो रही है। पिछले लंबे समय लगभग 98 दिन से जूनियर डॉक्टर्स हड़ताल पर थे और लाखों मरीज परेशान हुए और कितनों की मौत भी हो गई। स्वतः न्यायालय ने आदेश दिया कि 10 सितंबर की शाम तक डॉक्टर साहिवान काम पर उपस्थित हों और अगर वह उपस्थित होते हैं तो उन पर कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही नहीं होगी। इसके बावजूद भी जूनियर डॉक्टर्स का संगठन हड़ताल पर है और काम पर वापिस नहीं आया। परंतु न्यायपलिका चुप है। क्या यह संविधान में वर्णित समानता के अनुसार व्यवहार है? अंत में मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के श्री चंद्रचूड़ जी के घर पर गणपति की पूजा में शामिल होने को तब तक सामान्य घटना मानूँगा जब तक मुख्य न्यायाधीश सत्ता के किसी कृपा के आकांक्षी न सिद्ध न हो और उनके निर्णय न्याय के मान्य सिद्धांतों के विपरीत सत्ता के बचाव के न हों। साथ ही मैं न्यायपालिका की समग्र भूमिका को व्यवस्था संरक्षण के रूप में पक्षपाती महसूस करता हूँ और मानता हूँ।

दवा कारोबार की अनैतिकता से बढ़ता जीवन संकट

मुद्दा

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवाइयों के क्वालिटी टेस्ट में 53 दवाओं को फेल कर दिया गया है। उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। इन दवाओं में बीपी, डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की कुछ दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को गुणवत्ता में फेल किया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल, पेन किलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। निश्चित ही यह खबर परेशानी एवं चिन्ता में डालने वाली है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। अमानक पाई गई दवाइयों के ये मामले तो तब आए हैं जब पहले से ही दवाओं की गुणवत्ता तय करने के लिए कई सख्त प्रक्रियाएं होती हैं। इनमें कच्चे माल की जांच और निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण तक शामिल होता है। इसके बावजूद नामी दवा निर्माता कंपनियों के उत्पाद भी मानकों पर खरे नहीं उतरें तो यह माना जाना चाहिए कि कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में ये कंपनियां नैतिकता एवं मानवीयता को ताक पर रखने लगी है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब दवाइयां गुणवत्ता के पैमानों पर खरी नहीं उतरी हैं।

आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध-अनुसंधान की जरूरत है। चिंता यह भी कि यदि रैंडम सैम्पलिंग में ये दवाइयां पकड़ी नहीं जाएं तो इनकी खुलेआम बिक्री लोगों की सेहत पर खतरा बन कर मंडराती रहती हैं। एक तरफ सीडीएससीओ ने दवाओं की सुगम आपूर्ति के लिए अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा व यूरोपीय संघ के कुछ चुनिंदा देशों से आयातित दवाओं को नियमित नमूना परीक्षण से छूट दी है, वहीं देश के बाजारों में पहुंची दवा निर्माता कंपनियों की दवाओं में मिलने वाली यह खोट हमारी छवि पर विपरीत असर डालने वाली है।

दवा परीक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य ही है क्योंकि दवा कारोबार में हेराफेरी का खेल लोगों की जान का दुश्मन बन सकता है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से कतराती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये पीड़ित मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। व्यथित करने वाली बात है कि गुणवत्ता एवं मानक में फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, ये दवाइयां आमतौर पर सर्दी व बुखार, दर्द निवारक, मल्टी विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन, वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को कठोर दंड दिया जाना चाहिए। असल में इस तरह की दानवी सोच वाले लोग सिर्फ अपना स्वार्थ देखते हैं। ऐसे लोग धन-संपत्ति आदि के जरिए सिर्फ अपना ही उत्थान करना चाहते हैं, भले ही इस कारण दूसरे लोगों और पूरे समाज ही मौत के मुंह में जा रहे हो, यह मानवीय संवेदनाओं के छीजने की चरम पराकाष्ठा है। यह कैसी विडम्बना एवं विसंगतिपूर्ण दौर है जिसमें जिसको जहां मौका मिल रहा है, वह लूटने में लग हुआ है, यहाँ कोई भी व्यक्ति सिर्फ तब तक ही ईमानदार है जब तक उसको चोरी करने का या लूटने का मौका नहीं मिलता। हद तो तब है जब कई जगह जीवनरक्षक इंजेक्शनों की जगह नकली इंजेक्शन तैयार करने की खबरें भी आती रहती हैं। हम कितनें लालची एवं अमानवीय हो गये हैं, हमारी संवेदनाओं का स्रोत सूख गया है, तभी अपना ईमान बेच कर इंजेक्शन में पैरासिटामोल मिलाकर बेचने लगते हैं, हम तो अपनी तिजोरियां भरने के लिए जिंदा इंसानों को ही नोच रहे हैं, कहाँ लेकर जाएंगे ऐसी दौलत या फिर किसके लिए? यह कैसी मानवीयता है?

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निर्माता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चौपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। सरकार का व्यवस्था पर नियंत्रण कमजोर होता दिख रहा है। आम आदमी जाए तो कहां जाये? विश्व को श्रेष्ठ, नैतिक एवं मानवीय बनने का उपदेश देने वाला देश आज कहां खड़ा है? आज इन मूल्यों एवं संवेदनाओं की दृष्टि से देश कितना खोखला एवं जर्जर हो गया है। आज भौतिक एवं स्वार्थी मूल्य अपनी जड़ें इतनी गहरी जमा चुके हैं कि उन्हें निर्मूल करना आसान नहीं है। मनुष्य का संपूर्ण कर्म प्रदूषित हो गया है। सारे छोटे-बड़े धंधों में अनीति प्रवेश कर गई है। अमानक दवाओं का बढ़ता बाजार एक कलंक बनकर उभरा है। निस्संदेह यह संकट जल्दी समाप्त होने वाला नहीं है। ऐसे में सरकारों को दूरगामी परिणामों को ध्यान में रखकर रणनीति बनानी होगी।:

पितरों को याद करने और मुक्ति का समय

श्राद्ध पक्ष

मुकेश नागर

सामाजिक विषयों के लेखक

पितरों के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करने का श्राद्ध पर्व चल रहा है सनातन संस्कृति में अपने पूर्वजों के लिए अपनी आस्था स्नेह प्रकट करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। हिंदू धर्म में इस पखवाड़े में अपने परिजनों की मृत्यु तिथि के दिन अपने पूर्वजों की स्मृति में ब्राह्मण को भोजन कराकर उनके लिए आदर और श्रद्धा प्रकट करने का रिवाज है। इस दिन श्रद्धा के साथ ब्राह्मण को भोजन कराने एवं दान दक्षिणा के साथ उनका आशीष प्राप्त कर सम्मान के साथ उन्हें विदा किया जाता है। यह माना जाता है कि ब्राह्मण रूप हैं तब ईश्वर की और से स्वर्ग लोक अथवा अन्य किसी लोक में निर्वाचित मृतात्मा को को मृत्युलोक में आने की अनुमति होती है। वर्ष में एक बार श्राद्ध पक्ष में वे अपने परिजनों से वायु रूप में मिलकर उनका हाल जान सकते हैं।

इस समय मृतात्मा सूक्ष्म रूप में खुशी-खुशी मृत्यु लोक में अपने घर अपने परिजनों को आशीष देने आते है। उन्हें यह अपेक्षा रहती है कि है हमारे परिजन अपना आचरण विशुद्ध, पवित्र एवं पूर्वजों के प्रति श्रद्धावान रखें। अपनी श्रद्धा सामर्थ्य अनुसार पितरों के निमित्त गौ माता को चारा ,ब्राह्मण को भोजन एवं पीपल में जल अर्पण करें। ऐसा करने से पितृ देव प्रसन्न होते हैं। माना जाता है कि श्राद्ध पक्ष में पितृ देव घर के आसपास ही पीपल के वृक्ष पर विश्राम करते हैं एवं पीपल में अर्पित जल से वे प्रसन्न होते हैं। धार्मिक एवं पारमार्थिक कार्य के साथ पितरों का स्मरण करते हुए परिवार में शेष रहे बड़े बुजुर्ग एवं वरिष्ठ जनो के साथ आदर एवं सम्मान जनक व्यवहार करने वाले व्यक्ति से भी वे प्रसन्न हो कर सुख समृद्धि एवं संपत्ति प्राप्ति का आशीष दे कर अपने लोक को विदा हो जाते है।

यदि किसी की स्थिति दान धर्म या ब्राह्मण भोजन के खर्च वहन करने की नहीं है तो भी पितृ गण केवल एक लोटा जल से भी प्रसन्न हो जाते है यदि कोई प्रातः काल सूर्यदेव के दर्शन के साथ अपने पितरों का स्मरण कर पितरों के निमित्त एक लोटा जल भी पीपल में अर्पण करता है तो भी पितृ देव प्रसन्न हो सुख समृद्धि का शुभाशीष प्रदान करते हैं। कभी-कभी देखने में आता है कि परिवार का कोई सदस्य

तकलीफ में होने के बाद में अचानक सबको पीछे छोड़ प्रगति के पथ पर अग्रसर हो संपन्न और सुखी जीवन जीने लगता है। इसे पितृ कृपा ही माना जाना चाहिए। इसके विपरीत यदि कोई व्यक्ति अपने वरिष्ठ परिजन से असम्मानजनक व्यवहार करता है, उनका यथोचित सत्कार सम्मान नहीं करता। पितरों की कृपा से ही प्राप्त अपने धन बल बुद्धि बल के अभिमान के कारण पितृ कर्म से दूर रहता है। पितरों के निमित्त केवल जल भी अर्पण नहीं करता है तो पितृ गण उससे अप्रसन्न और क्रुद्ध होकर अपने लोक को लौट जाते हैं। परिणाम स्वरूप व्यक्ति अकारण तनावग्रस्त हो कर अपने निकट के सगे संबंधियों सगे भाई-बहन, मामा, बुआ, मौसी या ससुराल पक्ष से भी दूर होकर इतने बड़े संसार में खुद को अकेला पाता है। आने वाली नित नई समस्या से अकेला जूझता रहता है। ऐसे व्यक्ति की समस्या कभी खत्म नहीं होती एक खत्म तो दूसरी शुरू हो जाती है।

कभी कभी तो ऐसे व्यक्ति को अपनी पत्नी या पति का भी साथ नहीं मिलता। जबकि, दोनों एक ही काम को अंजाम देना चाहते हैं। उद्देश्य भी एक ही है औरफिर भी आपस में हमेशा क्लेश एवं तनाव बना रहता है। ऐसी सभी व्यक्ति इस पक्ष में पितरों के श्राद्ध कर्म अथवा अपने पूर्वजों को तर्पण एवं पीपल में जल अर्पण द्वारा अपने पूर्वजों का श्रद्धापूर्वक स्मरण कर पितरों के निमित्त सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वह उनका आशीष प्राप्त कर सुखी संपन्न जीवन व्यतीत कर सकते है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

भूमिका लेखन

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

चार दशक के लेखन की साधना करने के बाद मेरा मन लेखन से उचट गया था। अब तो दिली इच्छा यही रह गई थी कि कोई स्वनामधन्य लेखक-साहित्यकार मुझसे अपनी पुस्तक की भूमिका या उसका फ्लैप मैटर लिखवाये। इससे मेरी साधना पर पक्की मोहर भी लग जाये और इस तरह मैं बड़ा रचनाकार भी कहलवा सकूं। यह बात भी मैं ईश्वराधीन मानता हूँ कि साठ वर्ष की इस उम्र में कोई बंदा आयेगा और मुझसे अपनी नयी पुस्तक की भूमिका लिखवायेगा। मैं जिन दिनों इसी उधेड़बुन में उलझा हुआ था, तभी अकस्मात एक लोकल अखबार के फीचर संपादक का फोन आया कि मैं उनके नये कविता संग्रह की भूमिका लिख दूँ। अंधे को क्या चाहिये, दो नैन सो मिल गये। मैंने उससे कहा भी कि भूमिका वे किसी बड़े लेखक से लिखवायें। लेकिन उनका तर्क था कि शहर में मुझसे बड़ा लेखक और कोई नहीं है। मैंने उन्हें अन्य लेखकों-विचारकों के नाम बताये कि फ्लां-फ्लां लोग मुनासिब हो सकते हैं, परंतु उनका आग्रह मुझसे ही भूमिका लिखवाने का रहा। वे बोले कि कल मैं पाण्डुलिपि लेकर आपके निवास पर हाजिर हो रहा हूँ। मैंने फोन काट दिया तथा खुशी से पगलाया दूसरे दिन का बेताबी से इंतजार करने लगा। दूसरे दिन कोई घर की कॉलबेल बजाता और मैं दौड़कर गंभीरता ओढ़े दरवाजा खोलता। लेकिन उन्हें न पाकर मैं निराश हो जाता। वह दिन निकल गया और वे नहीं आये। मैंने यह सोचकर मन को धैर्य दिया कि कोई कार्य हो गया होगा, इसलिये वे नहीं आ सके। परन्तु इंतजार में चार-पाँच दिन गुजर जाने के बाद मन में पच्चीस तरह की आशंकायें उमड़ने-घुमड़ने लगी। बड़ी आशंका यही सामने आ रही थी कि हो न हो मेरे नाम को लेकर किसी ने उनको बरगला दिया है। एक-दो बार तो इच्छा हुई कि फोन करके पूछूँ कि वे क्यों नहीं आ सके? परन्तु यह सोचकर कि मेरे पूछने से मेरी महत्ता को आंच आ सकती है। इसलिये चुप रहा। बड़ी मुश्किल से भूमिका लेखन का मिला यह अवसर छूट जाने का मन में बहुत रंज सा रहा।

मन सोचता रहा कि किस ने उन्हें बहकाया होगा। बार-बार उन्हीं लोगों के चेहरे सामने आ जाते थे, जो मुझसे व मेरे रचना कर्म से ईर्ष्या रखते थे। जिस दिन भूमिका लेखन का प्रस्ताव आया था तो मैंने अंतरंगो से भी जिक्र कर दिया था कि यार फ्लां रचनाकार की मुझे भूमिका लिखनी है। शक की सुई उन भी जा टिकती थी। मन नहीं माना आठ-दस दिन बाद मैंने उन्हें फोन कर ही डाला और पूछा कि वे भूमिका लिखाने आने वाले थे, क्यों नही आ सके? वे भी साफमन के थे, बोले -'हुआ यूँ कि मैं जब आपके यहाँ आ रहा था तो भयंकर जी मिल गये, वे बोले कि भूमिका ही लिखानी है और स्थापित होना है तो भूमिका अद्भुत जी से लिखानी चाहिये। मेरे भी बात जंच गई और मैं बीच रास्ते से ही लौट आया।' मुझे उन पर और भयंकर जी पर गुस्सा तो ऐसा आया कि उन्हें बताऊँ कि मैं कितना बड़ा रचनाकार हूँ। मैं एक ही पल में समझ गया कि भयंकर जी प्रारंभ से ही मुझ से दुखी रहे हैं, इसलिये सारा खेल उन्होंने ही बिगाड़ा है। फिर अद्भुत जी मेरे रचनाकार के सामने हैं भी क्या? अद्भुत जी ने भूमिका लिखी तो किताब की पाँच कॉपी निकालना प्रकाशक को मुश्किल हो जायेगा। अब मन में आया कि मुझे पुस्तक के प्रकाशक का नाम पूछना चाहिये ताकि मैं उसे आगाह कर सकूँ कि जो पुस्तक प्रकाशित करने जा रहे हैं, उसकी भूमिका अद्भुत जी ने लिखी तो किताब पूरी तरह पिट जायेगी। मैंने अपने चमचों को दौड़ाया कि मालूम करो कि बेचैन जी का कविता-संग्रह कौन छाप रहा है। चमचे शू हो गये, दूसरे दिन तो मुझे प्रकाशक का नाम मालूम हो गया। मैं खुशी से फूला नही समाया कि किताब मेरे ही प्रकाशक और अंतरंग मित्र गुप्ता जी छाप रहे हैं।

मैंने झट से गुप्ता जी को फोन लगाया कि बेचैन जी की जो पुस्तक आप छाप रहे हैं, उसकी भूमिका अद्भुत जी लिख रहे हैं। यदि भूमिका उन्होंने लिखी तो किताब बुरी तरह पिट जायेगी। गुप्ता जी के बाद एकदम जंच गई, वे बोले कि भूमिका तो आप लिखिये। किताब तो मैं छाप रहा हूँ। पैसा लगा रहा हूँ, लेखक भले पिट जाये, लेकिन वे जो पुस्तक छाप रहे हैं, वह नहीं पिटनी चाहिये। वे बोले कि बेचैन जी को पुस्तक की भूमिका मुझसे लिखवाने को विवश कर देंगे, वरना पुस्तक को आउट ही नहीं करूंगा। इसके तीसरे दिन तो बेचैन जी ने घर की बेल बजाई तो मन खुश हुआ कि अब आया ऊँट पहाड़ के नीचे। मैंने बेचैन जी को भीतर लिया और कुशलक्षेम के बाद पूछा कि क्या रहा उनकी पुस्तक और भूमिका का? वे उदास से बोले -'सर, भूमिका तो आप को ही लिखनी होगी। अद्भुत जी की भूमिका गुप्ता जी छापने को तैयार नही हैं।' मैंने पहले ना-नुकुर की बाद में बेचैन जी का आग्रह मान गया, क्योंकि मैं तो इसके लिये पहले से ही बेताब था। मैंने उनसे कहा कि वे पाण्डुलिपि दे जायें, मैं जब भी वक्त मिला लिख दूंगा। वे चले गये। वक्त की तो मेरे पास क्या कमी है! मैंने भूमिका बिना पढ़े ही दूसरे दिन लिख दी, परन्तु बेचैन जी को समयाभाव बता कर टालता रहा। आज जब बेचैन जी आये तो मैंने उनसे कहा कि वे परसों भूमिका अवश्य ले जायें। मैं जरूर लिख दूंगा। बेचैन जी प्रकाशक के आगे विवश और पुस्तक प्रकाशन के प्रति व्यग्र थे, सो वे अब परसों आयेंगे, मैं भी बीस दिन पहले की लिखी भूमिका उन्हें पकड़ा दूंगा।

न्याय और कानून

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

न्यायपालिका सम्मेलन-3

स्थगन की संस्कृति समाप्त होना चाहिए

राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों में न्याय में देरी नहीं होनी चाहिए। भारत की ग्रामीण आबादी सबसे निचले से लेकर सर्वोच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को भगवान मानती है। अगर मामलों को खत्म होने में 10 से 32 साल लगेंगे तो उनके चेहरे से उनकी मुस्कान गायब हो जाएगी।

न्यायपालिका सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि गरीब ग्रामीणों को अदालतों में आने से डरना नहीं चाहिए, इस आशंका के साथ कि स्थगन की सांस्कृतिक के कारण लंबे समय तक चलने वाले मुकदमे उनके जीवन को बदतर बना देंगे। उन्हें अदालत में न्याय पाने के बजाय चुपचाप अन्याय सहना पसंद नहीं करना चाहिए। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि स्थगन की संस्कृति चली जानी चाहिए। राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों में न्याय में देरी नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि न्याय में देरी नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने अदालत कक्षों में आम नागरिकों के उच्च तनाव के स्तर के अनुभव के लिए ब्लैक कोट सिंड्रोम वाक्यांश गढ़ा। उन्होंने इसकी तुलना अस्पतालों में महसूस होने वाले व्हाइट कोट सिंड्रोम रोगियों से की। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की ग्रामीण आबादी सबसे निचले से लेकर सर्वोच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को भगवान मानती है। अगर मामलों को खत्म होने में 10 से 32 साल लगेंगे तो उनके चेहरे से उनकी मुस्कान गायब हो जाएगी। द्रोपदी मुर्मू ने अदालतों में लंबित रहने की बारहमासी समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया। अदालत के स्तर पर सीजेआई चंद्रचूड़, प्रधानमंत्री मोदी के समक्ष कपिल सिब्बल ने इन न्यायालयों द्वारा जमानत न देने पर अपनी गहरी चिंता जताई। वरिष्ठ अधिवक्ता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएषन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को बिना किसी डर या पक्षपात के न्याय देने के लिए निचली अदालतों, जिला अदालतों और सत्र अदालतों को सषक्त बनाने के महत्व पर जोर दिया। जिला न्यायपालिका के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सिब्बल ने जोर देकर कहा कि इन अदालतों को अधीनस्थ के रूप में नहीं बल्कि न्याय प्रणाली के महत्वपूर्ण घटकों के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे अधीनस्थ नहीं हैं क्योंकि वे न्याय देते हैं। उस स्तर पर न्यायपालिका को इस विष्वास के साथ स्थापित किया जाना चाहिए कि उनके निर्णय उनके खिलाफ नहीं होंगे और वे न्याय वितरण प्रणाली की रीढ़ की हड्डी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

न्यायाधीश, पेशेवर होने के बावजूद, वास्तविकता के साथ अपने स्वयं के ब्रश से प्रभावित होते हैं। इसके परिणामस्वरूप उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस पहलू का बहुत बड़ा परिणाम है। लेकिन, दुर्भाग्य से इस पर उतना ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जितना आवश्यक है। मुख्य न्यायधिपति ने न्यायाधीशों को बदलती सामाजिक स्थितियों के साथ बने रहने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि समाज समय के साथ बदलता है और न्यायाधीशों को समाज में दूसरों से अलग खड़ा होना चाहिए, फिर भी उन्हें अपने आस-पास की दुनिया के बारे में पता होना चाहिए। उन्होंने कहा प्रत्येक मामले में न्याय सुनिश्चित करने के लिए यह अपरिहार्य है।

न्यायपालिका की बदलती जनसांख्यिकी पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जिला न्यायपालिका में महिलाओं की संख्या बढ़ रही है। सन् 2023 में राजस्थान में सिविल न्यायाधीशों की कुल भर्ती में महिलाओं की संख्या 58 प्रतिशत थी। सन् 2023 में दिल्ली में नियुक्त न्यायिक अधिकारियों में 66 प्रतिशत महिलाएं थी। उत्तर प्रदेश में, 2022 के बैच में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के लिए 54 प्रतिशत नियुक्तियां महिलाएं थीं। केरल में, न्यायिक अधिकारियों की कुल संख्या 72 प्रतिशत महिलाएं हैं। उन्होंने एक होनहार न्यायपालिका की तस्वीर की ओर इशारा करते हुए कहा। अब सवाल यह है कि हम यह कैसे सुनिश्चित करेंगे कि न्यायपालिका में शामिल होने वाली ये महिलाएं भारतीय समाज के बदलते चेहरे के लिए सही मायने में मार्गदर्शन होंगी। मेरा मानना है कि यही आशा का कारण है। इसलिए आज हमारे पास एक युवा न्यायपालिका है जो तकनीकी रूप से समझदार, तकनीकी रूप से सुसज्जित है और एक सच्चे युवा राष्ट्र के भारत की बदलती जनसांख्यिकी का सही मायने में प्रतिनिधि है।

अपने लंबे कानूनी करियर के बारे में बताते हुए, सिब्बल ने जिला अदालत के स्तर पर जमानत की दुर्लभता पर चिंता व्यक्त की। यह सिर्फ मेरा अनुभव नहीं है बल्कि मुख्य न्यायाधीश ने ऐसा इसलिए कहा है। क्योंकि जमानत देना उच्च न्यायालयों पर बोझ है। आखिरकार, निचली अदालत में जमानत एक अपवाद है। सिब्बल ने कहा कि स्वतंत्रता एक संपन्न लोकतंत्र का आधार है और इसे कुचलने का कोई भी प्रयास हमारे लोकतंत्र की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट और सिक्के का अनावरण किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस संजीव खन्ना, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमन और बार काउंसिल ऑफ़ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने भी इस समारोह को संबोधित किया।

हिम वीरांगना

कर्मयोगी

वरिष्ठ पत्रकार और लेखक

फूल-सी बेटियां बनी सुरक्षा की फौलादी दीवार

चंडीगढ़ से 27 किलोमीटर दूर स्थित भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के प्रशिक्षण केंद्र भानु के ड्रिल ग्राउंड में अभी सूर्य की रश्मियों ने थिरकना शुरू किया ही था, तभी कलफ लगी पुलिस वर्दी में सजी सैकड़ों हिम वीरांगनाओं के सधे कदमतालों की ध्वनि से वातावरण गुंजायमान हो गया। शनिवार का दिन 604 हिम वीरांगनाओं के जीवन में नया सवेरा लेकर आया था। कल तक जो बेटियां सुकोमल कही जाती थीं, 44 सप्ताह की कठोर ट्रेनिंग ने उन्हें फूल से फौलादी बना दिया। चीन की संवेदनशील सीमा के लिये एक नई सुरक्षा की दीवार तैयार हुई। सैकड़ों आंखें सीमा पर निगेहबानी के लिये तैयार हुई। कुल 28 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों की इन बेटियां ने जब दीक्षांत समारोह में शपथ ली, तो स्टेडियम में बैठे अभिभावकों की आंखें भावातिरेक में नम हो गई।

महानिरीक्षक आनंद पाल सिंह निंबाड़िया ने जब प्रशिक्षण पाकर दीक्षित होने वाली बेटियों के नाम एक पिता जैसा भाव-विभोर करने वाला पत्र पढ़ा, तो हिम वीरांगनाओं की आंखे नम थीं। महानिरीक्षक निंबाड़िया ने उनसे कहाकि अब वे अकेली नहीं हैं उनके सुरक्षा दायित्वों के दौरान भारत सरकार, हमारा शासकीय तंत्र व आईटीबीपी परिवार हरकदम साथ है। हिम वीरांगनाओं में मध्य प्रदेश, छतीसगढ़, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, मेघालय, अरुणाचल, त्रिपुरा, मिजोरम से पंजाब-हिमाचल व हरियाणा तक प्रतिनिधित्व रहा। सबसे ज्यादा 95 हिम वीरांगनाएं उत्तराखंड की रहीं। इस 44 हफ्तों की सख्त ट्रेनिंग में इन्हें फौलादी बनाने हेतु युद्ध कौशल, हथियार चलाने, मैप रीडिंग, आत्मरक्षा, आतंकवाद विरोधी अभियान व आंतरिक सुरक्षा के बाबत प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों में 353 स्नातक व 45 स्नातकोत्तर हिम वीरांगना कर्मचारी चयन आयोग से चयनित होकर आईटीबीपी का हिस्सा बनीं। शहीद हिमवीरों की 19 हिम वीरांगनाएं अनुकंपा आधार पर आईटीबीपी का हिस्सा बनी। मुख्य अतिथि अपर महानिदेशक, पश्चिमी कमान, आईटीबीपी संजीव रैना ने इस मौके पर कहा कि प्रशिक्षण के दौरान जो शारीरिक क्षमता-ज्ञान हिम वीरांगनाओं ने अर्जित किया, वह इस अनुशासित बल का हिस्सा बनने पर जीवन पर्यंत उनका मार्गदर्शन करेगा। भव्य परेड के बाद नव-आरक्षियों ने राष्ट्रीय ध्वज एवं बल के निशान तले अपने धर्मग्रंथों को साक्षी मानकर शपथ ली। मुख्य अतिथि द्वारा विभिन्न गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली मुस्कान यादव, टीना सांगवान, रमनजीत कौर, नेहा कुमारी तथा निकिता बिष्ट को ट्राफी देकर सम्मानित किया। एक विशेष ट्रॉफी का मनीषा को दी गई। अंत में ब्रिगेडियर जीएस गिल (उप महानिरीक्षक) ने धन्यवाद ज्ञापित किया। परेड के बाद पाइप बैंड ने मधुर धुने प्रस्तुत की।

आत्मरक्षा के लिए हिमवीर-हिम वीरांगनाओं ने युद्ध कला जूडो- कराते आदि युद्ध-कलाओं का प्रदर्शन किया। इस मौके पर आतंकवादियों द्वारा बंधक बनाये लोगों को मुक्त कराने में बम धमाकों व गोलीबारी वाला हाउस क्लियरिंग ड्रिल का रोमांचक प्रदर्शन किया गया। जिसमें खोजी कुत्तों की मदद को दर्शाया गया। गणतंत्र दिवस परेड में भी शामिल रही जाँबाज टीम बाइकर्स ने दाँतों तले उंगली दबाने को मजबूर करने वाला प्रदर्शन किया।

उपमहानिरीक्षक ब्रिगेडियर जीएस गिल, उपमहानिरीक्षक डॉ टेकचंद, तथा सेनानी (प्रशिक्षण) सुनील कांडपाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

फिर हिम वाटिका में वह दृश्य आह्लादित करने वाला था जब हम वीरांगनाओं ने अपनी टोपियां उछाल कर उल्लास दर्शाया। अपने अभिभावकों को टोपी पहनाकर सैल्यूट मारती बेटियां खुशी से चहक रही थी।

कविता संग्रह

अनुपमा तिवाड़ी

समीक्षक

हम सब गांधारी हैं- सवाल करती कविताएं

कविता संग्रह हम सब गांधारी हैं' नवोदित कवयित्री श्रीदेवी का पहला संग्रह है। इसमें 71 कविताएं हैं।

संग्रह में अधिकांश कविताएं वर्तमान हालातों पर हैं इसलिए संग्रह और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। श्रीदेवी की कविताओं में कुछ कविताओं की बानगी इस तरह है - एक कविता है 'उत्तर और प्रश्न' जिसमें वे लिखती हैं कि हमारे सामने कई बार उत्तर होते हैं फिर भी हम उन्हें स्वीकार नहीं कर पाते हैं क्योंकि उत्तर देना भी एक राजनीति है, सामाजिक और सांस्कृतिक राजनीति। यह कविता पाठक को ठीक उसी तरह इशारा करती है जैसे यश मालवीय के एक गीत की पंक्तियाँ ;

प्रश्न का उत्तर कठिन है इसलिए ही,
प्रश्न सौ-सौ बार
टाला जा रहा है ---

और जैसे अभी दिल्ली दूर है! उनकी एक कविता है 'समय जो बीत गया' जिसमें वे कहती हैं कि पहले रिपोर्ट बनाते, फिर काम होता और ज़िंदगी बाद में मिलती, मौत पहले होती।

उलटबाँसियों से खेलती श्रीदेवी जीवन के यथार्थ को खोलकर सामने रख देती हैं। एक कविता 'सीता, द्रोपदी और श्वेता' में वे लिखती हैं कि सीता, सतयुग में तुम धरती में समाईं, द्रोपदी द्वापर में जुए में हारीं और श्वेता कूद गई सोलहवें माले से। आज का सभ्य समाज आज भी क्यों नहीं सभ्य हो पाया?

पिछले दिनों एक कविता सोशल साइट पर खूब चर्चित रही 'छह साल की छोकरी'।

इस कविता पर वे पूरे समाज से सवाल करती हैं कि छह साल की छोकरी आम की टोकरी क्यों भर कर लाई? वह स्कूल क्यों नहीं गई? क्या टोकरी उसे भारी नहीं लगती? और देखो उससे दाम नहीं पूछना है।

यह कविता क्या ज़िंदगी की व्याख्या नहीं है? यूं तुम कविताएं पढ़ते हुए आगे बढ़ लोगे न! तुम कब ठहर कर सोचोगे कि उस लड़की को यह क्यों करना पड़ रहा है? एक अन्य कविता पायल तड़वी और रोहित वेमुला को समर्पित है। श्रीदेवी की कविताएं हम सबसे खुलकर प्रश्न करती हैं और हम निरुत्तर रह जाते हैं। लेकिन हम कब देंगे ऐसी धधकती कविताओं का जवाब? अंत में वे कहती हैं कि लिखो, लिखो, लिखो- जिससे तुम सत्ता के खेल को समझ सको, जाति, वर्ग, लिंग के तमाम कारणों को समझ सको।

कविता संग्रह पठनीय है यह बुक्स क्लिनिक पब्लिशिंग, बिलासपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित है जिसका मूल्य 194/- रुपये है।

चिकित्सा शिविर में 406 हितग्राहियों का हुआ उपचार

बैतूल। ग्राम पंचायत टेमनी, जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम कोसमी हनुमान मंदिर परिसर में जिला आयुष अधिकारी डॉ योगेश चौकीकर के मार्गदर्शन में जिला आयुष विभाग, द्वारा प्रचार प्रसार निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन संपन्न हुआ। वैध आपके द्वार आयुष क्योर एप के प्रचार-प्रसार औषधीय पौधो की जानकारी योग मेडिटेशन का महत्व एवं सरल योग क्रियाओं की जानकारी एवं आयुर्वेदिक होम्योपैथिक चिकित्सा विभाग के चिकित्सकों की विशेष उपस्थिती में ग्राम टेमनी, कोशमी, भयावाडी, झाडेगांव, खकराजामठी व आसपास क्षेत्र के संख्या 201 होम्योपैथी व संख्या 205 आयुर्वेदिक पद्धति से कुल 406 मरीजों का उपचार 9 बजे से शाम 6 बजे तक किया गया। विभाग के अब तक के संपन्न करायें गयें चिकित्सा शिविरों में इतनी संख्या में मरीजों का उपचार एक रिकार्ड हैं। इस मेगा निःशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर डॉ वेद प्रकाश डहेरिया, आयुष चिकित्सा अधिकारी, डॉ ज्योति कुमरे, आयुष चिकित्सा अधिकारी, डॉ प्रियंका अहिरवार, होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी, डॉ राजेश जाधव, संविदा होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी, व शिवनारायण विश्वकर्मा, आयुष कंपाउंडर, मनोरमा मर्सकोले, आयुष कंपाउंडर, सतीश श्रीवास्तव, होम्योपैथिक कंपाउंडर बलवीर अहाके, कैलाश मालवीय रमेश झोड, औषधालय सेवक, आप सभी की उपस्थिति में मरीजों का उपचार व निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। विभाग द्वारा डॉ विजय तांडिलकर, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर पाढर, बैतूल को मेगा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था। आयोजन को सफल बनाने में ग्राम पंचायत टेमनी सचिव, ढोंडया शेषकर, सरपंच श्रीमती भावना खातरकर, आशिष खातरकर, अनिल लोखंडे का योगदान सराहनीय रहा।

वैष्णवी धाम रेसिडेंसी में चलाया स्वच्छता अभियान

बैतूल। नगर के चक्कर रोड पर स्थित वैष्णवी घाम रेसिडेंसी के रहवासियों ने कालोनी में स्वच्छता अभियान चलाया। रेसिडेंसी के अध्यक्ष राजेश गावण्डे ने बताया कि इस कालोनी में सभी एक परिवार की तरह रहते हैं एवं यहां त्योहार भी सभी लोग सामूहिक रूप से मिलजुल कर मनाते हैं। शहर की सर्वसुविधा युक्त इस कालोनी में रविवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें सभी कालोनीवासियों ने श्रमदान कर कालोनी को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दिया। स्वच्छता अभियान में जे. पी. डेहरिया, शम्भुदयाल नगदे, दीपक भार्गव, अमृतराव देशमुख, राजू खत्री, प्रवीण भावसार, मनीष दीक्षित, निर्गुण देशमुख, कमलेश खासदेव, आशीष पवार, अनिल पवार, कमल धोटे, सुभाष पवार, संजय रघुवंशी, बबन पाटील, संजय नागदे, केशवकांत कोसे, कंचन शुक्ला, रुपेन्द्र स्वर्णकार, अमित बोथरा आदि शामिल थे।

हृदय रोग स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सम्पन्न

बैतूल। विश्व हृदय दिवस पर के अवसर पर रविवार को जिला चिकित्सालय में हृदय रोग स्वास्थ्य परीक्षण एवं जनजागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 51 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें 25 मरीजों की ईसीजी की गई तथा हाइपरटेंशन के 15, डायबिटीज के 10, कार्डियो वैस्कुलर डिजीज के 7 मरीज पाए गए जिन्हें उपचार एवं परामर्श दिया गया। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक बारंगा एवं डॉ. रानू वर्मा ने बताया कि वर्तमान में खानपान, तनाव भरी जिंदगी एवं धूम्रपान के कारण युवा वर्ग में भी हृदय रोग के मामले बढ़ रहे हैं। दैनिक जीवन में नमक एवं तेल का कम सेवन करें, तनाव से बचे, समय समय पर ईसीजी, बीपी, शुगर एवं खून की जांच करते रहना चाहिए, हार्ट अटैक के मुख्य लक्षण सीने के बीचों बीच में दर्द होना, एवं पसीना आना है। यह दर्द बाएं हाथ में एवं कंधों में भी महसूस किया जा सकता है। इस प्रकार की तकलीफ होने पर तत्काल चिकित्सक को दिखाएं। जागरूकता शिविर में उपमीडिया अधिकारी महेश गुबरेले, नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती दुल्लो बेले एवं नर्सिंग ऑफिसर राकेश देवड़े, संजय गावंडे उपस्थित रहे।

स्कूलों-आंगनबाड़ी में एक साथ लगेगी स्वच्छता की पाठशाला

आयोजन को लेकर पत्रकार वार्ता में दी जानकारी

बैतूल। स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत आज 30 सितंबर को सैकड़ों स्कूलों में बच्चों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाया जाएगा। इस संबंध में जिला कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में रविवार की सुबह एक पत्रकार वार्ता आयोजित की गई, जिसमें बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल और बैतूल नगर पालिका के सीएमओ तथा आयोजन के नोडल अधिकारी ओपी भदौरिया ने विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने स्वेच्छा की इस जिम्मेदारी को निभाने में अपना योगदान दिए जाने की सहर्ष सहमति दी है। तय समय के मुताबिक 2-4 की संख्या में शिक्षक स्कूल पहुंचेंगे और बच्चों को गंदगी से होने वाले नुकसान, स्वच्छता से होने वाले फायदे और स्वच्छता कैसे रखी जानी चाहिए, इसकी सम्पूर्ण जानकारी देने के बाद बच्चों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई जाएगी।

जिले के 102 स्कूलों और 89 आंगनबाड़ियों में भी 30 सितंबर को एक साथ स्वच्छता की पाठशाला लगाने का निर्णय लिया गया है। सीएमओ ओपी भदौरिया ने कहा कि स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को स्वच्छता के साथ पर्यावरण के विषय में जानकारियां देना इसलिए भी आवश्यक है कि उनमें सीखने और समझने की क्षमता ज्यादा प्रबल होती है। स्वच्छता का जो पाठ बच्चों को पढाया जाना है, उससे पूरी उम्मीद है कि भविष्य में एक स्वच्छ, सुंदर और साफ-सुथरे शहर की परिकल्पना साकार हो सकती है। पत्रकारवार्ता में संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद, बैतूल नपाध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर, पूर्व नपा उपाध्यक्ष रजनी राजेश वर्मा, पूर्व नपाध्यक्ष आनंद प्रजापति, पार्षद रघुनाथ लोखंडे, पार्षद संतोष भलावी समेत अन्य पार्षदगण और नपा के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने स्वच्छता की पाठशाला तैयारियों की समीक्षा की

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वच्छता की पाठशाला कायक्रम आयोजन की तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि आगामी 30 सितंबर को जिले के सभी स्कूलों में प्रातः 8 से 10 बजे के बीच आयोजित होने वाली स्वच्छता की पाठशाला कार्यक्रम में पर्यावरणविद, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, भूतपूर्व सैनिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन,अधिकारी, धर्मगुरु, स्वयं सहायता समूह की

बहनें, व्यापारिक संगठन, शासकीय और अशासकीय सेवाओं के संगठन, एनसीसी, एनएसएस के कैडेट्स, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बहनें, आशा बहनें, स्वच्छता मित्र, भूतपूर्व जनप्रतिनिधि एवं अन्य साथी स्वच्छता पाठशाला में शिक्षक की भूमिका में होंगे। जिनसे जिले के स्कूलों में अध्ययनरत 10 हजार से अधिक स्कूली बच्चे स्वच्छता का पाठ पढ़ेंगे। यह पहल जनसहभागिता का अनूठा उदाहरण होगी। आगामी 30 सितंबर को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम से निश्चित ही स्वच्छता के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित होंगे। इस दौरान बच्चों को साबुन से हाथ धोने के महत्व के बारे में बताया जाएगा। पेयजल स्थल को साफ-सुथरा रखने के लिये विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाएगा। इस दौरान बच्चों को साबुन से हाथ धोने के महत्व के बारे में बताया जाएगा। पेयजल स्थल को साफ-सुथरा रखने के लिये विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम में स्वच्छता सर्वेक्षण के दृष्टिगत रखते हुए, अपने-अपने घरों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में रखने की अपील की जाएगी। जिले के समस्त विद्यालयों में छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय के शिक्षकों द्वारा विद्यालय परिसर में श्रमदान कर स्वच्छता का कार्य किया जाएगा। स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत स्वच्छता की रैली, विभिन्न आकृतियों में मानव श्रृंखला, रंगोली प्रतियोगिता आदि जन भागीदारी एवं जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जर्जर स्कूल की छत से टपक रहा है पानी, जान जोखिम में डालकर पढ़ने को मजबूर बच्चे!

कोठिया के शासकीय स्कूल की दयनीय हालत, मरम्मत में लीपापोती से ग्रामीण नाराज़

बैतूल। जनपद पंचायत आमला के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कोठिया का शासकीय माध्यमिक स्कूल गंभीर रूप से जर्जर हालत में पहुंच चुका है। बावजूद इसके, बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर इस खतरनाक भवन में पढ़ाई करने के लिए मजबूर हैं। ग्रामीणों ने इस मुद्दे को लेकर प्रशासन से कई बार गुहार लगाई है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामवासियों का कहना है कि स्कूल की छत बारिश में लगातार टपक रही है, जिससे बच्चों के ऊपर पानी गिरता रहता है। दीवारें भी इतनी कमजोर हो चुकी हैं कि कभी भी ढहने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीण गन्ना सिरसाम, पिंकेश धुर्वे और मनाराम जयदीप धुर्वे ने बताया कि मरम्मत का कार्य सिर्फ लीपापोती के तरीके से किया जा रहा है, जो समस्या का समाधान नहीं है। गन्ना सिरसाम ने कहा, अगर इस जर्जर भवन की मरम्मत ऐसे ही होती रही, तो कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। हम चाहते हैं कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले और पूरी तरह से नए सिरे से निर्माण करवाए। पिंकेश धुर्वे ने भी इस बात पर जोर दिया कि मरम्मत से खतरा और बढ़ जाएगा, क्योंकि छत और दीवारें कमजोर हो चुकी हैं। ग्रामीणों की शिकायतें और बच्चों की सुरक्षा की अनदेखी से गांव में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार स्कूल प्रशासन और जिला अधिकारियों से शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और कोई अनहोनी न हो।

इनका कहना-

हमारे द्वारा संस्था प्रमुख को मरम्मत कार्य के लिए राशि आवंटित की जा चुकी है। संस्था प्रमुख के बीमार होने तथा बारिश से कार्य में कुछ विलंब हुआ है। अब यह मामला मेरे संज्ञान में आने पर मैं बीआरसी एवं इंजीनियर को वहां भेज इसका पुनः एक बार निरीक्षण करवाकर जल्दी ही काम पूर्ण करवाता हूँ।

- जितेंद्र भनारिया,
डीपीसी बैतूल

पुलिस अधीक्षक ने गरबा आयोजकों से बैठक कर दिए आवश्यक निर्देश

बैतूल। नवरात्र के दौरान आयोजित होने वाले गरबा कार्यक्रम में महिलाओं, बच्चों एवं अन्य लोगों की सहभागिता के चलते शहर में अत्यधिक चहल-पहल और भीड़-भाड़ को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल झारिया द्वारा जिले में शांति एवं सद्भावना बनाए रखने के उद्देश्य से जिले के प्रमुख गरबा समितियों-आयोजकों के अध्यक्ष-संचालकों को पुलिस कंट्रोल रूम बैतूल में आमंत्रित किया। इस बैठक में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बैतूल सुश्री शालिनी परस्ते, थाना प्रभारी कोतवाली, और थाना प्रभारी गंज की उपस्थिति में मीटिंग का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बैतूल नगर में आयोजित होने वाले सभी ग्यारह गरबा आयोजकों से बारी-बारी से चर्चा कर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, पंडाल व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा, फायर सेफ्टी, यातायात व्यवस्था, पार्किंग, भीड़ प्रबंधन आदि के संबंध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा हेतु पर्याप्त सुरक्षा बल या वॉलेंटियर्स तैनात करें, और निजी सुरक्षाकर्मियों का चरित्र सत्यापन भी कराएं। आयोजन स्थल पर अवांछनीय तत्वों पर निगरानी हेतु सभी स्थानों पर पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। डीजे को न्यायालय व प्रशासन की गाइडलाइन अनुसार ही बजाने की अनुमति और ध्वनि की सीमा को ध्यान में रखते हुए सख्त हिदायत दी गई है। प्रशासन से नियमानुसार अनुमति प्राप्त करने के बाद ही गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। गरबा के दौरान महिलाओं की सुरक्षा लिए विशेष प्रबंधन किया जाना व कार्यक्रम में इस हेतु प्राइवेट सिक्योरिटी की तैनाती भी की जाए। बच्चों के लिए सुरक्षित क्षेत्र निर्धारित कर उनकी देखभाल व सुरक्षा की उचित व्यवस्था की जाए। आयोजन स्थल के आसपास यातायात को नियंत्रित करने के लिए कर्मचारियों की तैनाती और पार्किंग की व्यवस्था की जाए। गरबा में आने वाले अतिथि आगंतुकों हेतु प्रवेश और निकास के अलग-अलग द्वार हों। आयोजन स्थल पर अग्नि शमन यंत्र और आग बुझाने के उपकरणों की व्यवस्था की जाए।

मन की बात सुनकर भाजपा, कार्यकर्ताओं ने चलाया सदस्यता अभियान

बैतूल। आमला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' की 114वीं कड़ी का प्रसारण 29 सितम्बर को हुआ। निर्धारित कार्यक्रमानुसार रविवार 29 सितम्बर को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सरकार के मंत्रियों, सांसदों- विधायकों सहित सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता हर बूथ केंद्र पर उपस्थित होकर। 'मन की बात' सुनी। इसी के साथ हर बूथ केंद्र पर भाजपा का सदस्यता अभियान भी चलाया गया।ओर ज्यादा-से-ज्यादा नए सदस्य बनाकर लक्ष्य पूर्ति को तेज गति प्रदान की गयी। कार्यक्रम में नगर मंडल सदस्यता सह प्रभारी मोहन देवड़े,बूथ अध्यक्ष नितिन खातरकर, अक्षय पांडे, दीपक कावड़कर, प्रणय सोनी, हर्षित ठाकरे, भोला पांडे, प्रदीप माथनकर, दिवाकर कांवड़कर आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

उमरिया पंचायत के विकास कार्यों में घोटाला, सरपंच-सचिव पर गबन के आरोप

ग्रामीणों ने बैतूल जाकर जिला पंचायत सीईओ से की शिकायत

बैतूल। आमला ब्लाक की जनपद पंचायत आमला के अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरिया में सरपंच और सचिव द्वारा विकास कार्यों में धांधली और शासकीय राशि के गबन के आरोपों को लेकर गांव के समाजसेवी अलकेश ठाकुर, उप सरपंच संदीप मालवीय और ग्रामीणों ने जिला पंचायत सीईओ से शिकायत की है। उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत आमला के सीईओ साहब के पास भी कई बार शिकायत की थी लेकिन उनके द्वारा कोई कारवाई नही की जाती है और मामला रफादफा कर दिया जाता है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत उमरिया के सरपंच बामनसिंह कुशवाह और सचिव राजकुमार जादौन पर आरोप है कि उन्होंने पंचायत की विभिन्न योजनाओं और निर्माण कार्यों में फर्जीवाड़ा कर बड़ी मात्रा में शासकीय धनराशि का दुरुपयोग किया है। इन आरोपों के बावजूद अब तक किसी प्रकार की जांच या कार्रवाई नहीं की गई,

जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि सरपंच और सचिव ने पंचायत की मासिक बैठकों में योजनाओं और आहरित राशि का कोई प्रस्ताव नहीं लिया। पंचायत भवन के नवीनीकरण में कितनी सामग्री लगी और कितनी राशि खर्च हुई, इसका कोई लेखा जोखा नहीं है। नागदेव मंदिर का मंच बनाने में मटेरियल की कमी कर निर्माण कार्य में धांधली की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रतीक्षालय का निर्माण भी खराब गुणवत्ता का किया गया है, और काम अधूरा छोड़ दिया गया, जबकि आहरण पूरी राशि का कर लिया गया।

ग्रामीणों का आरोप, बहुत बार की जा चुकी है शिकायत

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत द्वारा बनाए गए सीसी रोड और निस्तारी गंदे पानी की नालियों का भी सही तरीके से निर्माण नहीं हुआ। इसके अलावा, हन्तूसिंह चौहान के खेत के पास पर कुलेशन स्टॉप टैंक और पटिया डेम के निर्माण में भी भारी अनियमितताएं की गई हैं। पंचायत द्वारा दयाल सिंह चौहान के खेत के पास बने पटिया डेम में भी भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। वहीं, पंचायत द्वारा मुलताई रोड पर मोती वाले कुएं के पास बोरिंग और पानी की पाइपलाइन का काम भी अधूरा छोड़ दिया गया है, जिसमें करीब 9.72 लाख रुपये का आहरण किया गया, लेकिन पाईपलाइन आधी खुली पड़ी है। ग्रामीणों ने रोजगार गारंटी योजना में भी फर्जीवाड़े के आरोप लगाए हैं। शिकायत में कहा गया है कि कई ऐसे लोगों की हाजिरी लगाई गई, जिन्होंने कभी काम ही नहीं किया, और उनके खातों में 50 हजार रुपये तक जमा कर दिए गए हैं।

पंचायत के सरपंच और सचिव ने किया लाखों का घोटाला - शिकायतकर्ताओं ने बताया कि ग्राम पंचायत में युवराज पहाड़े के घर के पास विधायक निधि से सांस्कृतिक मंच का निर्माण होना था, लेकिन एक साल पहले ही 53,500 रुपये का आहरण कर लिया गया, जबकि किसी प्रकार का कार्य अभी तक नहीं हुआ।

पंचायत द्वारा संचालित बाजार हाट भी पिछले 5 वर्षों से बंद पड़ा है। इसके अलावा पंचायत ने एक दुकानदार को दुकान आवंटित कर दी है, जबकि बाकी दुकानें बंद पड़ी हैं। उप सरपंच और पंचों ने सरपंच और सचिव पर आरोप लगाया कि वे पंचायत की योजनाओं और कार्यों में किसी प्रकार की जानकारी साझा नहीं करते और हर काम अपने तरीके से करते हैं। सरपंच-सचिव की मनमानी और धमकियों से परेशान ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने जिला कलेक्टर बैतूल और जनपद पंचायत आमला को भी कई बार इस संबंध में आवेदन दिए हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

जगन्नाथ दास प्रभु के सानिध्य में भक्त कृष्ण भक्ति कर सराबोर हुए

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

श्रील प्रभुपाद जी के अनुयायियों ने जगन्नाथ दास प्रभु के सानिध्य में आज रविवारीय उत्सव उल्लास पूर्वक मनाया, आज सुबह से ही वैष्णव और कृष्ण भक्तों की भीड़ मंदिर में उपस्थित रही, जिन्होंने भगवान कृष्ण की प्रसन्नता के लिए जगन्नाथ दास प्रभु के सानिध्य में मंगल आरती कर आध्यात्मिक प्रगति का मार्ग सुगम किया। जगन्नाथ दास प्रभु जी के पीछे आरती दोहराते भक्त, बजती मृदंग, करताल और करतल ध्वनि सुबह का शांत वातावरण मंगल आरती से गुंजायमान करती आस-पास के सन्नाटों को खत्म करती मानों दूर,दूर और दूर हरिनाम संकीर्तन के अलौकिक आनंद का संदेश फैलाकर लोगों को आध्यात्मिक प्रगति के पथ पर आने का निमंत्रण पहुंचा रही हो। लगभग दस वर्षों से भगवान कृष्ण की सेवा में जुटे कृष्ण भक्त मंदिर प्रमुख प्रणव दास प्रभु के मार्गदर्शन में लोग आध्यात्मिक प्रगति के लिए इस्कॉन संस्था से लगातार जुड़ रहे। जो सुबह के सात्विक समय का सदुपयोग मंगल आरती और महामंत्र जाप में शामिल होकर कर रहे। रविवार छुट्टी का दिन तो मानो कृष्ण भक्तों के लिए विशेष उत्सवों में शामिल हो गया। भोर पांच बजे कृष्ण भक्त और वैष्णव सभी अपने आराध्य की खुशी के लिए यहां दौड़ आते मंदिर में होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेते, सेवा करते, प्रवचन सुनते और प्रसाद ग्रहण कर भगवान की सेवा और भक्तों के सानिध्य में बिताए दिन का आंनद अगले दिन, अगले हफ्ते पुनः मंदिर आध्यात्मिक प्रगति के लिए उपस्थित होंगे की आशा लेकर लौटते हैं। भोपाल से पधारे जगन्नाथ दास प्रभु को आज मंगल आरती में अचानक पाकर भक्तों में कृष्ण भक्ति करने की खुशी समा नहीं रही थी। जगन्नाथ दास प्रभु द्वारा गाई मंगल आरती का एक एक शब्द कानों के जरिए हृदय में प्रवेश कर उन्हें आनंदित कर रहा वह हरिनाम संकीर्तन के दौरान उनके हाव-भाव देखकर महसूस हो रहा था। प्रणव दास प्रभु जी की संगत ने जिसे और निखार दिया, सुबह से ही उत्साहित भक्त हरिनाम संकीर्तन रस का पान उत्सुकता पूर्वक कर रहे थे जो सुबह कार्यक्रम से निवृत्त होकर 12 बजे एक बार फिर मंदिर में उत्सव के लिए एकत्रित हुए, श्रीमान जगन्नाथ दास प्रभु ने आज व्यास गादी से यथारुप श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय 11 के श्लोक संख्या 12 की व्याख्या करते हुए कहा भगवान इस श्लोक में अर्जुन को अपना विश्व रुप दिखलाकर उसकी जिज्ञासा शांत रहे हैं। प्रभु जी ने बताया कि कि यहां अर्जुन ने जो कुछ देखा वह अकाट्य था। यहां भगवान ने अर्जुन को अपना विराट रूप दिखलाया। क्योंकि अर्जुन ने भगवान से कहा था यदि आप उन्हें योग्य समझते हैं तो अपना विराट रूप दिखलाए.. यह बात दूसरी ओर महर्षि वेदव्यास की कृपा से दिव्य दृष्टि प्राप्त संजय महाराज धृतराष्ट्र को कहते हैं कि भगवान का अद्भुत रूप अर्जुन ने दर्शन किए वह हजारों सूर्य की प्रकाश से ज्यादा प्रकाशमान है। जिनके असंख्य मुख है असंख्य आंखें यह सब देखकर अर्जुन आश्चर्य चकित हो गया और विश्व रुप देखकर भगवान के प्रति अर्जुन का भाव बदल गया। प्रभु जी ने यहां समझाया कि जीवात्मा का भगवान से अलग अलग किस तरह पांच रसों (भाव) से संबंध है जिसमें यहां अर्जुन भगवान को मैत्रीय भाव से देख रहा प्रभु जी ने इसे और स्पष्ट रूप से उदाहरण देकर समझाया कि जैसे किसी पात्र में धी जमा है उसमें सोने का सिक्का पड़ा है किंतु पात्र में वह सिक्का दिखाई नहीं देता, लेकिन जब धी पिघल जाता है तो सिक्का दिखाई देता है। ऐसा ही अर्जुन में भगवान के विश्व रुप को देखकर मैत्रीय भाव जाग गया अर्जुन यह दृश्य देख पा रहा है। प्रभु जी ने बताया क्योंकि वह एक ही जगह भगवान का विश्व रुप भगवान की अचिंत्य शक्ति को देख रहे हैं। प्रवचन के पश्चात दोपहर आरती और हरिनाम संकीर्तन में सभी भक्तों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया कार्यक्रम समापन पर सभी भक्तों ने प्रसादम ग्रहण किया।

हर्षोल्लास से मनाया अमर शहीद सरदार भगतसिंह का जन्मोत्सव....

नरसिंहपुर। वरिष्ठ जन परिषद नरसिंहपुर के तत्वाधान में अमर शहीद सरदार भगतसिंह का जन्मोत्सव बालकृष्ण की बगिया नरसिंहपुर में हर्षोल्लास से मनाया गया। परिषद अध्यक्ष गणेश कुमार चतुर्वेदी डा.महेश त्रिपाठी पं.रामकुमार शास्त्री डी डी गोस्वामी ने हनुमान जी के पूजन अर्चन सहित शहीद भगत सिंह का पूजन वंदन किया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में हनुमान चालीसा का पाठ व संकीर्तन हुआ।पं सी बी शर्मा नारायण श्रीवास्तव मदन कुमार श्रीवास्तव और मोहन पटेल ने सुमधुर स्वर में भगत सिंह पर केंद्रित नग्मे गीत सुनाकर सभी को भाव विभोर किया।राष्ट्रभक्ति स्वर के लोकप्रिय कवि अशोक त्रिपाठी ने शहीद की अमर शहादत सहित जन सेवा देशभक्ति से ओतप्रोत कविताएं प्रस्तुत कर आयोजन में समा बांधा। कुछ इस तरह से..ऐ मेरे वतन के लोगो बस इतना उपकार करो, जिस माटी में जन्म लिया है उस माटी से प्यार करो। कार्यक्रम के दूसरे चरण में गुरुवर डी डी गोस्वामी ने गीता के श्लोकों का वाचन करते हुए महापुरुषों के अवतरण सहित कर्म और देशभक्ति का संदेश दिया। वरिष्ठ जनों ने शहीदे आजम भगतसिंह पर अपने अपने विचार रखे।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की ऑफिशियल विजिट में धार रत्नों शिक्षक उत्कृष्टता तथा नेशन बिल्डिंग अवॉर्ड सम्मान समारोह

धार। रोटरी क्लब आफ धार सेंट्रल (आर आई डी - 3040) की रोटरी गवर्नर आधिकारिक यात्रा धार में गरिमामय समारोह में संपन्न हुई। इस भव्य और गरिमामय समारोह में धार रत्न एवं शिक्षक उत्कृष्टता सम्मान, नेशन बिल्डिंग अवार्ड रोटरी क्लब ऑफ धार सेंट्रल संस्था द्वारा दिया गया। ऐतिहासिक धरा धार में आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रोटे. अनीस मालिक (डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2024 -25 आर आई डी-3040) विशेष अतिथि रोटे. सुशील मल्होत्रा (डीजीई 2025-26, आर आई डी-3040), रोटे. संजीव गुप्ता (पीडीजी × डिस्ट्रिक्ट ट्रेनर) कार्यक्रम के संयोजक संस्थापक एवं पदेन अध्यक्ष रोटे. अरूण वर्मा, संस्था के अध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार सिंह मानद सचिव वी.के.सिंह तथा इवेंट चेयर रोटेरियन अजय मोदी थे. गवर्नर की आधिकारिक यात्रा में अध्यक्ष,सचिव और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के साथ मीटिंग, पब्लिक मीटिंग हुई। गवर्नर ने क्लब की गतिविधियों का अवलोकन कर सराहना की।

गौरतलब है कि रोटरी क्लब ऑफ धार सेंट्रल द्वारा 2009 से अब तक 1000 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया गया है। रोटरी का सूर्यास्त कभी नहीं होता गवर्नर रोटे अनीस मालिक ने अपने उद्बोधन में कहा कि रोटरी हर जगह है, दुनिया भर में हर जगह सेवा कार्य रोटरी कर रही है इसीलिए रोटरी का सूर्यास्त कभी नहीं होता। उन्होंने रोटरी क्लब ऑफ धार सेंट्रल के सेवा कार्यों, सामाजिक सेवा कार्यों की गतिविधियों तथा विभिन्न प्रतिभाओं का सम्मान जैसे रचनात्मक कार्यों की सराहना की। रोटरी क्लब ऑफ धार सेंट्रल के अध्यक्ष डॉक्टर मनीष कुमार सिंह ने बताया कि संस्था द्वारा 14 बच्चों को स्कॉलरशिप दी जा रही है, निशुल्क ओरल कैंसर डिटेक्शन दंत बाल रोग

999 रोटरी क्लब धार सेंट्रल का आयोजन यादगार बन गया

विशेषज्ञ डॉ शिल्वी वर्मा द्वारा स्कूल में बच्चों का परीक्षण किया जाएगा। शिक्षाविद् द्वारा करियर गाइडेंस का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। क्लब द्वारा सैकड़ों स्थान पर पौधारोपण किया गया है। इसी तरह सेवा गतिविधियां चलती रहेगी। समारोह में विशिष्ट जनों में इंदौर से पधारे रोटरी के पदाधिकारी डॉक्टर तेजस मेहता, अक्षत गुप्ता, जयेश झा प्रथम महिला सिम्मी मालिक,राजेश मोदी,मनोज चांडक, डॉक्टर आर.सीएस .ठाकुर, विजय मोदी,प्रवीण गोधा इंजीनियर वल्लभ अग्रवाल,डॉ. अनिल वर्मा, डॉ. मयंक महाजन, डॉ. लीना माइकल, रोटरी इंदौर से रोटे. अक्षत गुप्ता, रोटे. ममता जोशी (पूर्व नपाध्यक्ष, धार) रोटेरियन प्रफुल्ल जैन ,संजय लुहाड़िया, रमेश जोशी, धर्मेश अग्रवाल , प्रोफ़ेसर कविता पॉल ,पूर्व अध्यक्ष अलका वर्मा, दिलीप मेघानी, डॉक्टर ऋषि तिवारी, संतोष पांडे ध्रुव जोशी ,सुरेश भाटिया, पूर्व असिस्टेंट गवर्नर डॉ. प्रदीप पॉल पूर्व सचिव डॉ. अजेश माईकल गुमान सिंह डामोर, वरिष्ठ पत्रकार - मोटिवेशनल स्पीकर रोटे. राजेश शर्मा तथा अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य, शिक्षाविद्, मीडिया के सम्मानित साथी, नामी चिकित्सक, एडवोकेट एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

धार रत्न से सम्मानित प्रतिभाएं...

सर्व श्री कृष्ण कांत पटेल
अधिवक्ता सुहेल निसार
डॉ. चारू गुप्ता
डॉ. आशीष डामोर
डॉ. लीना माईकल
प्रोफ़ेसर गजेंद्र उज्जैनकर
प्रोफ़ेसर अरूणा शर्मा
डॉ. दीपेंद्र शर्मा
एडवोकेट श्री वल्लभ विजयवर्गीय
इंजीनियर घनिष्ठ अग्रवाल
उपभोक्ता फोरम सदस्य श्रीमति हर्षा रूनवाल
श्रीमती हेमा जोशी

इस गरिमामय कार्यक्रम में शिक्षक उत्कृष्टता सम्मान से 75 शिक्षक तथा नेशन बिल्डिंग अवॉर्ड से 6 शख्सियतो का सम्मान किया गया। नुपुर कला केंद्र की डायरेक्टर प्रसिद्ध नृत्य प्रशिक्षक वृषाली देशमुख के मार्गदर्शन में बालिकाओं ने बहुत सुंदर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन रोटे. डॉ. शशांक तिलवणकर, प्रो गजेंद्र उज्जैनकर, सम्मान पत्र का वाचन रोटे.राजेश शर्मा ने किया. फोरवे टेस्ट का वाचन सचिन बाफना ने किया। आभार डॉ. प्रदीप पाल ने व्यक्त किया।

पाटीदार समाज के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णकांत पाटीदार 'धार रत्न' से सम्मानित

धार शहर ही नहीं पूरे प्रदेश में समाज सेवा के लिए प्रसिद्ध है कृष्णकांत पाटीदार

धार। रोटरी क्लब आफ धार सेंट्रल द्वारा आयोजित गरिमामयी गर्वनर आफिशियल विजिट एवं धार रत्न सम्मान समारोह में पाटीदार समाज के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णकांत पाटीदार को समाज सेवा के क्षेत्र में धार शहर और प्रदेश में विशिष्ट योगदान देने पर 'धार रत्न' से सम्मानित किया गया।ऐतिहासिक धरा धार में आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रोटे. अनीस मालिक (डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2024 -25 आरआईडी - 3040) विशेष अतिथि रोटे. सुशील मल्होत्रा (डीजीई 2025-26, आर आई डी-3040), रोटे. संजीव गुप्ता (पीडीजी × डिस्ट्रिक्ट ट्रेनर) कार्यक्रम के संयोजक संस्थापक एवं पदेन अध्यक्ष रोटे. अरूण वर्मा, संस्था के अध्यक्ष डॉक्टर मनीष कुमार सिंह, मानद सचिव वी.के.सिंह तथा इवेंट चेयर रोटेरियन अजय मोदी की उपस्थिति में

कृष्णकांत पाटीदार को धार रत्न के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि धार शहर ही नही वरन् धार जिले और मध्यप्रदेश में समाज सेवा के लिए कृष्णकांत पाटीदार प्रसिद्ध है। आप धार शहर में भव्य स्वरूप में निकलने वाली सर्व धर्म चुनरी कलश यात्रा के अध्यक्ष भी है। आप ने धार शहर ही नही वरन् जिले में सेवा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है । कृष्णकांत पाटीदार को 'धार रत्न'से सम्मानित होने पर धार शहर के गणमान्य नागरिकों- शुभचिन्तकों, मित्रों और प्रदेश भर से पाटीदार समाज ने बधाई देते हुए उनके मंगलमय जीवन की शुभकामनाएं दी है।

धार शहर की प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. लीना माइकल 'धार रत्न' से सम्मानित

धार शहर में चिकित्सा सेवा के लिए प्रसिद्ध है माइकल दंपत्ति

धार। रोटरी क्लब आफ धार सेंट्रल द्वारा आयोजित गरिमामयी गर्वनर आफिशियल विजिट एवं धार रत्न सम्मान समारोह में धार शहर की प्रख्यात स्त्री एवं प्रसुति रोग विशेषज्ञ डा. लीना माइकल को चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में धार शहर और जिले में विशिष्ट योगदान देने पर 'धार रत्न' से सम्मानित किया गया।ऐतिहासिक धरा धार में आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रोटे. अनीस मालिक (डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2024 -25 आर आई डी -3040) विशेष अतिथि रोटे. सुशील मल्होत्रा (डीजीई 2025-26, आर आई डी-3040), रोटे. संजीव गुप्ता (पीडीजी × डिस्ट्रिक्ट ट्रेनर) कार्यक्रम के संयोजक संस्थापक एवं पदेन अध्यक्ष रोटे. अरूण वर्मा, संस्था के अध्यक्ष डॉक्टर मनीष कुमार सिंह, मानद सचिव वी.के.सिंह तथा इवेंट चेयर रोटेरियन अजय मोदी की उपस्थिति में डा. लीना माइकल को धार रत्न के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि धार शहर में चिकित्सा सेवा के लिए माइकल दंपत्ति डॉ. अजेश माइकल और लीना माइकल प्रसिद्ध है। धार शहर की प्रसिद्ध स्त्री एवं प्रसुति रोग विशेषज्ञ डा. लीना माइकल एम. एस. स्त्री एवं प्रसुति रोग विशेषज्ञ की विशेषज्ञता के साथ आप डिप्लोमा इन अल्ट्रासोनोग्राफी इनफर्टीलिटी स्पेशलिस्ट है। आप ने धार शहर ही नही वरन् जिले में चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। डा. लीना माइकल को 'धार रत्न 'से सम्मानित होने पर धार शहर के गणमान्य नागरिकों- शुभचिन्तकों ने बधाई देते हुए उनके मंगलमय जीवन की शुभकामनाएं दी है।

मक्का मदीना यात्रा पर रवाना होगी

सुबह सवेरे सोहागपुर। नगर के शकील खान गुड्डू भाई एवं उनके पिताश्री जनाब हनीफ खान उमराह शरीफ रवाना हो रहे हैं। आरिफ खान ने इस प्रतिनिधि को बताया कि उमराह यात्रा में मक्का मदीना की 15 दिखनी यात्रा होती है। गांधी वार्ड निवासियों अनीस खान पार्षद गौरव पालीवाल मुस्लिम त्योहार कमेटी अध्यक्ष वसीम खान, आरिफ खान,राजा खान जावेद खान,रिजवान,शीशगर,हाजी हसीब खान बशीर खान मैनेजर, वकील हनीफ खान हाजी ,लतीफ खान, शकील खान, शाहिद खान,सलमान, शहबाज, सज्जू ,वाजिद आदि ने उनका इस्तकबाल किया।

सोहागपुर पुलिस ने स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा के निर्देश देकर सोहागपुर,सेमरीहरचंद, शोभापुर में किया निरीक्षण

सुबह सवेरे सोहागपुर। प्रदेश सरकार के निर्देश पर सोहागपुर पुलिस ने नगर के स्कूलों का निरीक्षण किया। जिसमें प्राथमिक शाला तिलक वार्ड ,सेंट पैट्रिक स्कूल, सेमीरिटर्न स्कूल, एवं ज्ञान सागर इंटरनेशनल आदि का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में शाला कर्मचारियों एवं स्कूल के बच्चों से सुरक्षा संबंधित दिशा निर्देश दिए गए। वहीं स्कूल के सभी स्टाफ एवं स्कूल में लगे वाहन के चालकों का सत्यापन अति शीघ्र कराने के लिए लिखित सूचना दी गई।

सेमरीहरचंद

इसी क्रम में सेमरी हरचंद चौकी के

अंतर्गत नर्मदा वैली स्कूल, विवेकानंद स्कूल, ज्ञानांजली स्कूल, कन्या शाला एवं सरस्वती स्कूल चेक किए गए। वहीं स्कूल के स्टाफ एवं स्कूल के बच्चों को सुरक्षा संबंधित सुझाव एवं दिशा निर्देशित किया गया। वहीं यहां भी स्कूल के सभी स्टाफ एवं स्कूल में लगे वाहन चालकों का सत्यापन अति शीघ्र कराने हेतु लिखित सूचना दी गई।

शोभापुर

इसी क्रम में सोहागपुर थाने के अंतर्गत शोभापुर में 04 स्कूलों का निरीक्षण किया गया। जिसमें जैनित स्कूल , नवीन कॉन्वेंट शाला, शासकीय माध्यमिक कन्या शाला, प्रिंस पब्लिक स्कूल का निरीक्षण किया गया । यहां भी स्कूल में सुरक्षा संबंधित दिशा निर्देश दिए गए। तथा स्कूल के सभी स्टाफ एवं स्कूल में लगे वाहन चालकों का अति शीघ्र वेरिफिकेशन कराने हेतु लिखित सूचना दी गई। उक्त आश्य की जानकारी नगर निरीक्षक कंचनसिंह ने दी।

एसडीओ पुलिस,नगर निरीक्षक ने कामती रंगपुर सहित कई छात्रावासों का भ्रमण किया, कहा-सुरक्षित वातावरण प्रदान करें

सुबह सवेरे सोहागपुर। प्रदेश सरकार की मंशा अनुसार आज एसडीओ पुलिस संजू चौहान एवं नगर निरीक्षक कंचनसिंह ने छात्रावासों का भ्रमण किया। जिसमें सोहागपुर थाना क्षेत्र के शासकीय कन्या छात्रावास सेमरी हरचंद, शासकीय जनजातीय कन्या आश्रम खापा, कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास कामती रंगपुर एवं शासकीय सीनियर अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास सोहागपुर आदि छात्रावास अधीक्षकों एवं वहां कार्यरत कर्मचारियों से विस्तृत जानकारी लेकर सुरक्षित वातावरण प्रदान करने, छात्रावासों में सीसीटीवी कैमरे बढ़ाए जाने, अनावश्यक लोगों की आवाजाही न हो इसके निर्देश देकर, छात्रावासों में पर्याप्त

प्रकाश की व्यवस्था करने के साथ छात्रावासों में कार्यरत कर्मचारियों के पुलिस वेरिफिकेशन कराने के आवश्यक निर्देश दिया गए।

छात्रावासों के बच्चों से बातचीत: एसडीओ पुलिस संजू चौहान एवं नगर निरीक्षक कंचनसिंह ने सभी छात्रावासों में उपस्थित बच्चों से चर्चा की गई।

महिला अपराध

नगर निरीक्षक कंचनसिंह ने बताया कि महिला संबंधी अपराधियों की चैकिंग कराकर उनके डोजियर तैयार कराए जा रहे है। इसके साथ ही उनके विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही धारा 126,135, 129 बीएनएसएस के अंतर्गत पृथक पृथक कराई जा रही है ।

कलेक्टर की मौजूदगी में हुआ ग्राम पंचायत चांवरपाठा में जन चौपाल का आयोजन

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की विशेष मौजूदगी में जिले की ग्राम पंचायत चांवरपाठा में जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। विदित है कि इस प्रकार की जन चौपाल का मक़सद ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की समस्या सुनकर उनका समाधान करना है।कलेक्टर श्रीमती पटले ने ग्रामीणों से रूबरू चर्चा कर ध्यानपूर्वक उनकी समस्यायें सुनी। समस्याओं के निराकरण के लिए मौक़े पर मौजूद ज़िला अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने इन समस्या का समाधान कर इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया। जन चौपाल में आये लोगों की मुख्य समस्या प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण का लाभ नहीं मिलना रहा। कलेक्टर श्रीमती पटले ने जनपद पंचायत सीईओ को इसकी जाँच कर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया।जनपद पंचायत सीईओ ने बताया कि ग्राम

पंचायत चांवरपाठा में आयोजित जन चौपाल में 60 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 30 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष आवेदनों का निराकरण समय सीमा में करने के निर्देश कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, सहायक कलेक्टर श्री शुभम यादव, एसडीएम, विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख, स्थानीय प्रशासनिक अमला और ग्रामीणजन मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर राजधानी भोपाल में जुटेंगे देश के शीर्ष शैक्षिक प्रबंधन अधिकारी

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्टार्स परियोजना की दो दिवसीय नॉलेज शेयरिंग कार्यशाला 30 सितम्बर से

- स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह उद्घाटन-सत्र को करेंगे संबोधित
- विचार-मंथन से निकले निष्कर्ष का लाभ मिलेगा स्कूल और विद्यार्थियों को

भोपाल (नप्र)। भारत सरकार के स्कूल शिक्षा मंत्रालय द्वारा देश के स्कूलों की बेहतरी के लिए विश्व बैंक के सहयोग से संचालित स्टार्स (स्ट्रेंथनिंग टीचिंग-लर्निंग एंड रिजल्ट्स फॉर स्टेट्स) प्रोजेक्ट के अंतर्गत दो दिवसीय 'राष्ट्रीय नॉलेज शेयरिंग कार्यशाला' का आयोजन 30 सितंबर से भोपाल में होगा। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में केन्द्रीय सचिव स्कूल शिक्षा और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मध्यप्रदेश सहित 17 प्रदेशों के शिक्षा सचिव, राज्य परियोजना संचालक और अन्य अधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य स्टार्स प्रोजेक्ट के राज्यों की नॉलेज शेयरिंग तथा शैक्षिक कार्यक्रमों के तहत मौजूदा अंतराल और चुनौतियों की पहचान के साथ राज्यों में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों को एक-दूसरे के साथ साझा कर, अनुभव के आधार पर अन्य राज्यों में अपनाना भी है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शैक्षिक समृद्ध भारत की परिकल्पना में सक्रिय सहभागिता की दृष्टि से इस शैक्षिक कार्यशाला के आयोजन का दायित्व मध्यप्रदेश को सौंपने के लिये केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान से आग्रह किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनका आग्रह स्वीकार करने और प्रदेश की राजधानी भोपाल में संगोष्ठी करने के लिए केन्द्र सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश भर के शीर्ष शैक्षिक प्रबंधन अधिकारियों के मध्यप्रदेश आगमन पर स्वागत करते हुए कहा कि दो दिवसीय कार्यशाला में विचार-मंथन से जो निष्कर्ष निकलेंगे, उसका लाभ निश्चित ही प्रदेश के स्कूलों और विद्यार्थियों को भी प्राप्त होगा। सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल ने बताया कि भारत सरकार के स्कूल शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रातः 10 बजे स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह एवं केन्द्रीय शिक्षा सचिव श्री संजय कुमार करेंगे। कार्यशाला के पहले दिन सोमवार 30 सितंबर को 'स्कूल-टू-वर्क ट्रांज़िशन' विषय पर और दूसरे दिन मंगलवार एक अक्टूबर को 'स्ट्रेंथनिंग असेस्मेंट सिस्टम' पर विभिन्न सत्र आयोजित होंगे।

इनमें स्कूल-टू-वर्क ट्रंजीसंन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, एनसीएफ, एनसीआरएफ जैसे नीतिगत ढांचे की भूमिका, स्किल हब, स्किल शिक्षा में साइकोमेट्रिक विश्लेषण और कैरियर परामर्श, उद्योग तथा कार्य-आधारित सीखने के अवसर के साथ साझेदारी, स्कूली शिक्षा में प्रभावी स्किल हब स्थापित करने और उद्योग से संबंधित कौशल पारिस्थितिकी-तंत्र के एकीकरण की दिशा में कल्पना, भविष्य की शिक्षा के लिए मूल्यांकन प्रणालियों को मजबूती प्रदान करना, राज्यों में विद्या समीक्षा केंद्र का क्रियान्वयन और राज्यों में मूल्यांकन प्रकोष्ठों का सुदृढ़ीकरण आदि विषयों पर विचार-मंथन किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि स्कूली शिक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ीकरण के लिए स्टार्स परियोजना का संचालन केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा विश्व बैंक के सहयोग से किया जा रहा है। वर्तमान में यह परियोजना देश के 6 राज्यों मध्यप्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान, केरल, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र में संचालित है। केन्द्र सरकार के द्वारा उक्त सभी 6 राज्यों के साथ 2-2 अन्य राज्यों के कार्य और अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए आपस में जोड़ा गया है। इसके तहत मध्यप्रदेश के साथ बिहार और छत्तीसगढ़ को शामिल किया गया है। कार्यशाला में सभी 6 स्टार्स राज्यों के अलावा 12 अन्य सहयोगी राज्यों आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, हरियाणा, कर्नाटक, पंजाब, सिक्किम, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल के स्कूल शिक्षा सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी सहभागिता करेंगे।

प्रतिबंध के बावजूद नर्मदा नदी में हो रहा रेत का अवैध उत्खनन

रायसेन। राज्य शासन के सख्त आदेश के बाद भी रेत का अवैध खनन धड़ल्ले से चल रहा है। रेत माफिया उदयपुरा के निकट केतोखान घाट से लगातार अवैध उत्खनन कर रहे हैं। खनिज विभाग से ठोस कार्रवाई नहीं होने से लगातार अवैध कारोबार हो रहा है। प्रदेश के 16 जिलों को छूकर निकलने वाली नर्मदा नदी में अवैध उत्खनन की भयावहता की कहानी आंकड़े ही कह देते हैं। उल्लेखनीय है कि खनिज साधन विभाग की लापरवाही से प्रतिबंध के बावजूद अवैध उत्खनन और परिवहन हो रहा है। रोजाना बड़ी संख्या में ट्रक-ट्रेक्टर ट्रालियों से अवैध उत्खनन किया जा रहा है। मप्र की लाइफ लाइन नर्मदा नदी को सरकार ने 6 साल पहले जीवित इकाई (लाइव एंटिटी) भी घोषित कर दिया लेकिन अवैध उत्खनन और प्रदूषण पर अंकुश अब तक नहीं लग पाया है। नदी के संरक्षण संबंधी सभी प्रयास बौने साबित हुए हैं।

उज्जैन में रामघाट डूबा, शिवपुरी में डैम के गेट खुले

- कई जिलों में गरज-चमक, हल्की बारिश, अब तक 17 प्रतिशत ज्यादा बरसा मानसून

भोपाल (नप्र)। मानसून ट्रफ, लो प्रेशर एरिया और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की एक्टिविटी कमजोर पड़ने से मध्यप्रदेश में अब तेज बारिश का दौर थम जाएगा। आज भोपाल, इंदौर समेत पूरा प्रदेश भीगेगा जरूर लेकिन भारी बारिश जैसी स्थिति नहीं रहेगी। हल्की बारिश के साथ गरज-चमक के आसार हैं। उज्जैन में सुबह से बारिश हो रही है। रामघाट के प्लेटफॉर्म तक शिप्रा नदी का पानी पहुंच गया है। शिवपुरी में शनिवार देर रात मड़ीखेड़ा के अटल सागर डैम के दो गेट खोल दिए गए। डैम से 34.456 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। पानी मोहिनी बांध तक पहुंच रहा है। नदी के किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी किया गया है। खेतों में पानी भर गया है। कटी रखी फसल भीग गई है, जिससे किसानों का काफी नुकसान हुआ है। प्रदेश में अब तक 43.6 इंच बारिश हो चुकी है। यह सामान्य से 17 प्रतिशत ज्यादा है। मंडला ऐसा जिला है, जहां सबसे ज्यादा 60.5 इंच पानी गिर चुका है। सिवनी प्रदेश में दूसरे नंबर पर है। यहां 56 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया कि देश में सिस्टम तो एक्टिव है लेकिन यह मध्यप्रदेश से दूर है। इस वजह से तेज बारिश होने का अनुमान नहीं है।

मंडला में सबसे ज्यादा पानी गिरा, सिवनी दूसरे नंबर पर

इस साल मानसूनी बारिश के मामले में जबलपुर संभाग सबसे आगे है। भोपाल, सागर, निवाड़ी, डिंडौरी, सीधी और छिंदवाड़ा ऐसे जिले हैं, जहां 50 इंच या इससे अधिक बारिश हो चुकी है। सबसे ज्यादा बारिश वाले टॉप-10 जिलों में रायसेन और नर्मदापुरम भी शामिल हैं।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने कहा-

अब गैर बासमती सफेद चावल होगा एक्सपोर्ट

490 डॉलर प्रति टन होगा न्यूनतम निर्यात मूल्य

भोपाल (नप्र)। बासमती के अलावा देश में पैदा होने वाले दूसरे प्रकार के सफेद चावल को अब दूसरे देशों में एक्सपोर्ट किया जाएगा। चावल उत्पादक किसानों की मांग पर केन्द्रीय कृषि मंत्रालय ने ये फैसला लिया है। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसकी जानकारी दी है।

शिवराज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक और किसान हितैषी फैसला लिया है। गैर-बासमती चावल के निर्यात को खोलने और न्यूनतम निर्यात मूल्य के मूल्य निर्धारण को मंजूरी मिली है। गैर-बासमती सफेद चावल के लिए 490 डॉलर प्रति टन न्यूनतम निर्यात मूल्य तय किया गया है। परबॉइल्ड और ब्राउन चावल पर शुल्क 20 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत हो गया है। चावल उत्पादक किसान अब न्यूनतम निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर ही अपनी उपज निर्यात कर सकेंगे।

शिवराज ने तुअर, उड़द, मसूर की 100 प्रतिशत खरीद का आश्वासन दिया

शिवराज ने बताया कि बासमती चावल पर भी मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस समाप्त करने का निर्णय लिया गया, जिससे बासमती चावल के उत्पादक किसान इनका निर्यात करके और ज्यादा मुनाफा हासिल कर पाएंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तुअर, उड़द और मसूर उत्पादक किसानों के लिए 100 प्रतिशत खरीद का आश्वासन दिया है। साल 2025-26 तक दलहनी फसलों के क्षेत्र विस्तार और उत्पादकता में सुधार का लक्ष्य रखा है और साल 2027-28 तक आत्मनिर्भरता का लक्ष्य तय किया गया है। गैर बासमती चावल के निर्यात पर लगा था प्रतिबंध गैर-बासमती सफेद चावल का निर्यात 20 जुलाई, 2023 से प्रतिबंधित था। व्यापार महानिदेशालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा है, गैर-बासमती सफेद चावल (सेमी-मिल्ड या पूर्ण मिल्ड चावल, चाहे वह पॉलिश किया गया हो या न हो) के निर्यात नीति को प्रतिबंधित से मुक्त में संशोधित किया गया है, जो कि एमईपी 490 डॉलर प्रति टन के अधीन है।

किसानों के हित में केन्द्र सरकार के कुछ हालिया फैसले

- खाद्य तेलों के आयात शुल्क को बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया गया, अन्य उपकरणों को जोड़ने पर कुल प्रभावी शुल्क 27.5 प्रतिशत।
- रिफाइंड तेल पर मूल शुल्क बढ़ाकर 32.5 प्रतिशत किया गया। इससे सोयाबीन, सूरजमुखी और मूंगफली उत्पादक किसानों को होगा आर्थिक लाभ।
- प्याज पर निर्यात शुल्क 40 प्रतिशत था, जिसे घटाकर 20 प्रतिशत किया गया, इस निर्णय से प्याज उत्पादक किसानों को ठीक दाम मिलेंगे।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 61 फसलों की 109 किस्मों में 34 क्षेत्रीय फसलें और 27 बागवानी फसलों की नई किस्में किसानों को समर्पित की हैं। जिससे कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी।
- पीएम फसल बीमा के तहत महाराष्ट्र परभणी जिले के 2 लाख किसानों को लगभग रू. 200 करोड़ से अधिक लंबित क्लेम का भुगतान किया गया।
- राष्ट्रीय नाशीजीवी (कीट) निगरानी प्रणाली लॉन्च किया गया। जिसके माध्यम से किसान को कीट की सटीक पहचान और प्रबंधन के लिए जल्दी सलाह दी जाती है।

एक अक्टूबर से हटने लगेगा रेत खनन पर प्रतिबंध

कलेक्टर तय करेंगे जिलों में कब से होगा खनन; शासन नहीं जारी करेगा आदेश

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में 30 सितंबर तक लागू रेत खनन पर प्रतिबंध का आदेश एक अक्टूबर से निष्प्रभावी होने लगेगा। कलेक्टर इस संबंध में फैसला करेंगे कि उन्हें अपने जिले में रेत खनन पर लगा प्रतिबंध कब से हटाना है। स्टेट माइनिंग कॉर्पोरेशन और खनिज विभाग ने इसके अधिकार कलेक्टरों को दे रखे हैं। इसके चलते मानसून की विदाई के हिसाब से रेत खनन पर लगे प्रतिबंध हटाने का काम अगले हफ्ते से शुरू हो जाएगा।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देश पर हर साल 15 जून से 30 सितंबर के बीच रेत खनन का काम प्रतिबंधित कर दिया जाता है। खनिज साधन विभाग इसको लेकर हर साल कलेक्टरों को रेत खनन पर प्रतिबंध के आदेश देता है जिसके आधार पर कलेक्टर कार्रवाई करते हैं। राज्य शासन की ओर से इस साल भी रेत खनन को लेकर केंद्र द्वारा जारी गाइडलाइन के आधार पर रेत खनन रोकने के लिए निर्देशित किया था। इसमें मौसम विज्ञान केंद्र नागपुर की ओर से मध्यप्रदेश में मानसून की अवधि 15 जून से 1 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

कलेक्टर प्रतिबंध हटा सकते हैं: स्टेट माइनिंग कॉर्पोरेशन के एमडी और खनिज साधन विभाग के डायरेक्टर अनुराग चौधरी का कहना है कि रेत खनन घोषित तौर पर 30 सितंबर के बाद भले ही शुरू करने की बात कही जाती है, लेकिन कई जिलों में इस तारीख के बाद भी मानसून सक्रिय होता है। कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने जिले में मानसून की विदाई के आधार पर रेत खनन पर लगा प्रतिबंध हटाने के आदेश जारी कर सकते हैं। कई ऐसे जिले हैं जहां 10 अक्टूबर तक मानसून के मूवमेंट बने रहने की संभावना जताई गई है। प्रदेश के 55 में से 44 जिले ऐसे हैं जहां रेत का खनन व्यापक पैमाने पर किया जाता है और सरकार इन जिलों में रेत खनन के ठेके भी देती रही है।

मानसून सक्रिय रहने के दौरान भंडारण से बिक्री: रेत खनन वाले जिलों में रेत की बिक्री वही कर पाते हैं जिनके द्वारा तय लिमिट में रेत का भंडारण किया गया हो। अवैध भंडारण के मामले में कलेक्टरों को रेत जब्त करने का अधिकार है और इस पर भी कार्रवाई की जाती है।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

नड्डा की चार घंटे की यात्रा के मायने क्या ?

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगतप्रकाश नड्डा 26 सितंबर को चार घंटे की यात्रा पर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर आए। जेपी नड्डा की यात्रा से लोगों के मन में कई सवाल और जिज्ञासा उठने लगे हैं। पहला सवाल तो क्या मंत्रियों को कोई संदेश दे गए और क्या जल्दी ही मंत्रियों के विभागों में हेरफेर या मंत्रिमडल के चेहरे में बदलाव होगा ? दूसरा क्या रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रत्याशी के बारे में कुछ विचार-विमर्श करने आए थे ? जेपी नड्डा ने चार घंटे की यात्रा में कई काम निपटाए। करीब 85 साल के आरएसएस प्रचारक और पूर्व राज्यसभा सांसद श्रीगोपाल व्यास को भाजपा की सदस्यता दिलाई। नालंदा परिसर जाकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं से मिले। भाजपा की सदस्यता अभियान की समीक्षा की और नया टारगेट दिया। कुछ सांसद-विधायकों से भी चर्चा की, पर सबसे महत्वपूर्ण और गूढ़ रहस्य वाली बात उनकी दो बैठकों को बताया जा रहा है। कहते हैं बंद कमरे में पहली बैठक उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, छत्तीसगढ़ प्रभारी नितिन नबीन और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय के साथ की। चर्चा है की बंद कमरे में सरकार के कामकाज और छवि पर बात हुई। बताते हैं कुछ मंत्रियों के परफॉर्मेंस की समीक्षा भी की गई और उनको या विभाग बदलने पर भी मंथन हुआ। इसके बाद जेपी नड्डा ने विष्णुदेव साय और डॉ रमन सिंह के साथ बैठक की। खबर है कि यह बैठक सरकार के कामकाज पर फोकस रहा। चर्चा है कि नड्डा ने मुख्यमंत्री को सरकार के संचालन में डॉ. रमन सिंह की सलाह लेने का सुझाव दिया। अब देखते हैं नड्डा जी की नसीहत का क्या परिणाम आता है ?

रिटायर्ड अफसर भाजपा के द्वार

छत्तीसगढ़ में कलेक्टर-कमिश्नर और अन्य बड़े पदों पर रहकर सत्ता का आनंद लेने वाले अफसरों का भगवा प्रेम आजकल चर्चा का विषय है। कुछ अफसर पहले से ही भाजपा के सदस्य हैं, तो कुछ अब भाजपा के सदस्य बनने लगे हैं। हाल ही में रिटायर्ड आईएएस अशोक अग्रवाल भाजपा के सदस्य बने हैं। रिटायर्ड आईएएस गणेशशंकर मिश्रा और आरपीएस त्यागी पहले से ही भाजपा में हैं। त्यागी जी कांग्रेस से भाजपा में पहुंचे हैं। कुछ महीने पहले भूपेश बघेल की सरकार में छत्तीसगढ़ वन विभाग के मुखिया रहे राकेश चतुर्वेदी भी भाजपाई बने। सीसीएफ रहे एसएसडी बड़गैया रिटायरमेंट के बाद भाजपा की सदस्यता लेकर विधानसभा टिकट की मांग की थी। कहते हैं भाजपाई बनने वाले कुछ रिटायर्ड अफसर निगम-मंडल में पद की जुगाड़ में भी हैं। अब देखते हैं जमीन से जुड़े भाजपाइयों पर ये कितने भारी पड़ते हैं। वैसे भी भाजपा ब्यूरोक्रेट्स पर मेहरबान होती है। कुछ रिटायर्ड ब्यूरोक्रट्स केंद्र में मंत्री हैं, तो छत्तीसगढ़ में आईएएस की नौकरी छोड़कर राजनीति में आने वाले ओपी चौधरी वित्त मंत्री और नीलकंठ टेकाम विधायक हैं।

क्या छत्तीसगढ़ भाजपा में मार्गदर्शक मंडल बनाने की तैयारी में ?

कहते हैं पिछले दिनों रायपुर में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश और आरएसएस के राष्ट्रीय पदाधिकारी दीपक विस्पुते ने बैठक ली तो पांच मंत्रियों के साथ पार्टी के सेकेंड लाइन के नेताओं को बुलाया गया। संघ की बैठक में बड़े और कद्दावर माने जाने वाले नेताओं को नहीं बुलाया गया। इस कारण चर्चा शुरू हो गई है कि क्या छत्तीसगढ़ भाजपा में मार्गदर्शक मंडल बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। वैसे भी विष्णुदेव साय की सरकार में अधिकांश मंत्री पहली बार के विधायक हैं। रामविचार नेताम और केदार कश्यप को छोड़कर कोई पुराने मंत्री साय कैबिनेट का हिस्सा नहीं हैं। राज्य में मंत्री के दो पद खाली हैं। उसके भरने की चर्चा हो रही है, पर अब तक नहीं भरा गया है। अब मंत्री के रिक्त पदों को पुराने विधायकों से भरा जाता है या नए से, यह भी बड़ा संदेश होगा।

कौन होगा राजस्व मंडल का अध्यक्ष

राजस्व मंडल की वर्तमान अध्यक्ष रीता शांडिल्य 30 सितंबर को रिटायर हो जाएंगी। ऐसे में अब चर्चा शुरू हो गई है कि राजस्व मंडल का अगला अध्यक्ष कौन होगा ? राजस्व मंडल के अध्यक्ष का पद मुख्य सचिव के स्तर का है, लेकिन भूपेश सरकार के कार्यकाल से इस पद पर सचिव स्तर के अधिकारी को पदस्थ करने की परंपरा चल पड़ी है। मुख्य सचिव अमिताभ जैन के अलावा सुब्रत साहू और रेणु पिल्लै मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी हैं। सुब्रत साहू प्रशासन अकादमी में महानिदेशक और रेणु पिल्लै माध्यमिक शिक्षा मंडल व व्यवसायिक परीक्षा मंडल की अध्यक्ष हैं। अब देखते हैं सरकार मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी को राजस्व मंडल का अध्यक्ष बनाती है या फिर सचिव स्तर के अफसर को। वैसे राजस्व मंडल के अध्यक्ष के लिए सुब्रत साहू के नाम की कयास है।

संविदा वालों के भरोसे जल संसाधन विभाग

कहते हैं प्रदेश का जल संसाधन विभाग संविदा अफसरों के भरोसे चल रहा है। विभाग में ऊपर से नीचे तक संविदा वाले भरे हैं। दागी और संविदा अफसरों को विभाग में वित्तीय अधिकार भी दिया गया है। कहा जा रहा है कि विभाग में नियमित नियुक्ति नहीं होने से ऐसे हालात बने हैं। बताते है कि संविदा में नियुक्त अधिकरियों को वित्तीय अधिकार नहीं दिए जाते, पर जल संसाधन विभाग में नियम को दरकिनार कर दिया गया है। खबर है कि जल संसाधन विभाग के सभी बड़े निर्णय इन दिनों संविदा में नियुक्त अधिकारी ही ले रहे हैं। अब देखते हैं विभाग में ऐसा कितने दिन चलता है और राज्य में सिंचाई सुविधाएं कैसे बढ़ पाती हैं।

भूपेश के फैसले का क्रियान्वयन साय के राज में

कहते हैं स्वैच्छिक सेवानिवृति मामले में भूपेश सरकार के फैसले का क्रियान्वयन विष्णुदेव साय की सरकार में करने का आदेश जारी हुआ है। भूपेश सरकार ने चुनाव के कुछ महीने पहले 14 अगस्त 2023 को स्वैच्छिक सेवानिवृति के लिए सेवा अवधि न्यूनतम 20 वर्ष से घटाकर 17 वर्ष और छह माह की सूचना की जगह छह माह के वेतन जमा करवाने का प्रावधान किया था। इस आशय की अधिसूचना राजपत्र में तब प्रकाशित भी हो गई थी। अब वित्त विभाग ने 12 सितंबर 2024 को पत्र जारी कर सभी विभागों को फैसले के परिपालन के लिए निर्देशित किया है। सरकारी नौकरी 17 साल तक कर लेने वाले भी अब वीआरएस ले सकते हैं। कहा जा रहा है कि इस फैसले का लाभ इस्तीफा देकर चुनाव लड़ने वाले सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों को होगा।

केबल कारोबारी को भाजपा नेता का साथ

कहते हैं कई मामले में उलझे रायपुर के एक केबल कारोबारी को भाजपा के एक वरिष्ठ नेता संरक्षण देने में लगे हैं। बताते हैं पुलिस जब भी केबल कारोबारी को दबोचने की कोशिश करती है, भाजपा नेता उसका ढाल बन जाते हैं। खबर है जमीन से लेकर शराब घोटाले में केबल कारोबारी का नाम है। जमीन पर बेजा कब्जे को लेकर केबल कारोबारी के खिलाफ जनता सड़क पर उतर चुकी है। केबल कारोबारी पिछली सरकारों में खेल संघों में कब्जा जमाए हुए थे। इस बार फिर कब्जा जमाना चाहते हैं, पर उनकी दाल नहीं गल नहीं पा रही है।

भाजपा सरकार को हिलाने में लगे बैज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज धरना-प्रदर्शन के बाद अब न्याय यात्रा के जरिये प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार को हिलाने में लग गए हैं। कांग्रेस को भाजपा सरकार को हिलाने के लिए मुद्दा भी मिल गया है। बलौदाबाजार कांड से लेकर कवर्धा कांड का अस्त्र कांग्रेस को भाजपा सरकार के विरुद्ध हाथ लग गया है। सरकार के खिलाफ दीपक बैज को आक्रामक रुख अपनाना मज़बूरी भी है। कहा जा रहा है दीपक बैज सरकार के खिलाफ आक्रामक होकर ही पद पर बने रह सकते हैं। दीपक बैज के नेतृत्व में कांग्रेस विधानसभा और लोकसभा में कोई अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। विधानसभा चुनाव में सत्ता हाथ से चली गई और लोकसभा में एक सीट से आगे गाड़ी नहीं बढ़ पाई।

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)